चैत्र कृष्ण - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 235 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 23-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 एक भारत श्रेष्ठ भारत की हमारी संस्कृति है

6 एयर मार्शल डेन्ज़िल कीलोरः पाकिस्तान के सेबर जेट कर दिए धराशायी, धरी रह गईं दुश्मन की तोपें

7 महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम : कृतिका कामरा

## फर्स्ट टेक

### भारत और फ्रांस के बीच नौसेना युद्धाभ्यास 'वरुण' हुआ संपन्न

**पणजी/भाषा।** गोवा तट से लगभग 80 समुद्री मील की दूरी पर भारतीय और फ्रांसीसी नौसेनाओं के बीच 23 वां द्विपक्षीय युद्धाभ्यास 'वरुण' शनिवार को संपन्न हुआ, जिसके बाद फ्रांसीसी विमानवाहक पोत 'चार्ल्स डी गॉल' और आईएनएस विक्रांत ने बेड़ा समीक्षा की। इसमें दोनों नौसेनाओं को सतह के नीचे और ऊपर युद्ध क्षेत्र में आपस में सहयोग करते हुए देखा गया। भारतीय पनडुब्बियों और मिग 29के और राफेल जैसे विमानों के बीच परस्पर समन्वय नजर आया। फ्रांसीसी विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल और आईएनएस विक्रांत द्वारा बेड़े की समीक्षा शाम चार बजे की गई। अभ्यास के समापन से पहले दोनों नौसेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की कि उद्देश्यों को हासिल करने में यह अभ्यास कितना सफल रहा।

### लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे पर एक दिन बंद रहने के बाद उड़ानें फिर से शुरू

**लंदन/एपी।** लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि बिजली उप केंद्र में आग लगने के कारण लगभग एक दिन तक बंद रहने के बाद शनिवार को यह पूरी तरह से चालू हो गया। लेकिन एयरलाइनों ने चेतावनी दी है कि गंभीर व्यवधान कई दिनों तक जारी रहेगा क्योंकि उन्हें विमानों और चालक दल के सदस्यों को स्थानांतरित करने तथा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। हवाई अड्डे के प्रमुख ने कहा कि उन्हें इस घटना पर हीथ्रो की प्रतिक्रिया पर गर्व है। लेकिन असुविधाग्रस्त यात्रियों, नाराज एयरलाइनों और चिंतित राजनेताओं ने इस बात का जवाब मांगा कि कैसे एक आकस्मिक आग यूरोप के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे को बंद कर सकती है।

### नाइजर में जिहादी संगठन के हमले में 44 नागरिकों की मौत

**डकार (सेनेगल)/एपी।** नाइजर के पश्चिमी हिस्से में एक गांव पर एक जिहादी संगठन के हमले में 44 नागरिकों की मौत हुई है। देश के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि माली और बुर्किना फासो की सीमा से सटे कोकोरू ग्रामीण क्षेत्र के फाम्बिता गांव में शुक्रवार दोपहर यह हमला हुआ। उसने इस हमले के लिए 'इस्लामिक स्टेट इन ग्रेट सहारा या ईआईजीएस' को जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले के सिलसिले में प्रतिक्रिया के लिए ईआईजीएस से संपर्क नहीं हो पाया है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अपराह्न करीब दो बजे जब मुस्लिम श्रद्धालु जुमे की नमाज अदा कर रहे थे, तब भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने संबंधित मस्जिद को घेर लिया और नरसंहार को अंजाम दिया।

| | |
|---|---|
| सूर्यास्त 23-03-2025 6:30 बजे | सूर्योदय 24-03-2025 6:21 बजे |
| BSE 76,905.51 (+557.45) | NSE 23,350.40 (+159.75) |
| सोना 9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 104,042 रु. प्रति किलो |

## भारत को व्यापक और विविध ऊर्जा संबंध विकसित करने होंगे : जयशंकर

■ यूक्रेन संघर्ष के बाद ऊर्जा विकल्प तलाशने पर हमारा जोर था। सच्चाई यह थी कि हर देश ने वही किया, जो उसके अपने हित में था, भले ही कुछ लोग इसके विपरीत दावा करते हों।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को आवश्यक रूप से व्यापक और विविध ऊर्जा संबंध विकसित करने होंगे।

जयशंकर ने यहां 'बिजनेस टुडे' के कार्यक्रम में कहा कि दशकों तक वैश्वीकरण के गुणों के बारे में सुनने के बाद, आज दुनिया औद्योगिक नीतियों, निर्यात नियंत्रण और शुल्क युद्ध की वास्तविकता से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों के लिए अनुकूल ऊर्जा वातावरण सुनिश्चित करना भारत के प्रमुख कूटनीतिक उद्देश्यों में से एक है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन के अलावा बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा का विकास एवं उपयोग करना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों की संभावनाओं का पता लगाना भी है। उन्होंने कहा, ''विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को आवश्यक रूप से ऊर्जा संबंधों का एक व्यापक और विविध स्वरूप विकसित करना होगा।'' जयशंकर ने कहा कि भारतीय दूतावास अब देश के वाणिज्यिक हितों की खोज में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि वे जहां भी संभव हो, सूचना देते हैं, सलाह देते हैं और सुविधा प्रदान करते हैं, ताकि ''यह सुनिश्चित हो सके कि हमारा व्यवसाय अच्छा चले।''

## परिसीमन पर विपक्षी दल हुये एकजुट, कहा,
# भेदभावपूर्ण परिसीमन स्वीकार नहीं

■ द्रमुक समर्थित जेएसी ने केंद्र से परिसीमन 25 साल और स्थगित करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व में गठित संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) की शनिवार को हुई पहली बैठक में कहा गया कि जनसंख्या के आधार पर प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया दक्षिणी राज्यों के लिए ''निष्पक्ष'' नहीं होगी।

जेएसी ने मांग की कि केंद्र को अगले 25 साल तक 1971 की जनगणना के आधार पर ही संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करना चाहिए। समिति ने चालू संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक संयुक्त ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया।

बैठक में परिसीमन निर्धारित करने के 'जनसंख्या' के मानदंड के खिलाफ लड़ने के लिए एक राजनीतिक आम सहमति भी बनी,

ताकि 'निष्पक्ष परिसीमन' सुनिश्चित हो और दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम न हो।

बैठक में तीन राज्यों के मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), बीजू जनता दल (बीजद) और द्रमुक सहित 14 दलों के नेता इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने के लिए शामिल हुए। अगले साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक के लिए यह एक बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है।

स्टालिन ने कहा, ''अगली जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का आगामी या भविष्य में होने वाला जनसंख्या-आधारित परिसीमन कुछ राज्यों को बहुत प्रभावित करेगा। हम सभी को पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए कि वर्तमान जनसंख्या के आधार पर परिसीमन को स्वीकार नहीं किया जा सकता।''

स्टालिन ने यह भी कहा कि कानूनी विकल्प पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने राजनीतिक और कानूनी कार्य योजना तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का समर्थन किया।

बैठक में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बिना किसी परामर्श के इस मुद्दे पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा सीटों के परिसीमन की तलवार लटक रही है।

विजयन ने कहा, ''अचानक उठाया गया यह कदम संवैधानिक सिद्धांतों या लोकतांत्रिक अनिवार्यताओं से प्रेरित नहीं है, बल्कि संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित है।'' उन्होंने कहा, ''अगर जनगणना के बाद परिसीमन किया जाता है, तो उत्तरी राज्यों की सीटों में बढ़ोतरी होगी, जबकि दक्षिणी राज्यों की सीटों में कमी आएगी।

## असली 'आत्मनिर्भर भारत' कांग्रेस की सरकार में था : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विनिर्माण क्षेत्र में कथित गिरावट को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि अब शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बात का अहसास होगा कि असली 'आत्मनिर्भर भारत' कांग्रेस एवं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के समय था। उन्होंने यह दावा भी किया कि भारतीय जनता पार्टी ने भारत को विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिए जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार का 'मेक इन इंडिया' जमीन पर क्रियान्वयन के बजाय प्रचार को महत्व देने का एक उत्कृष्ट

मामला है। अपने 2014 के घोषणापत्र में, भाजपा ने भारत को ''वैश्विक विनिर्माण केंद्र'' बनाने के लिए 10 वादे किए थे, जिनमें से एक भी पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी में भारी गिरावट से स्थिति और भी बदतर हो गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, पीएसयू बेचे जा रहे हैं। एमएसएमई को नुकसान हो रहा है। नौकरशाही बाधाएं आजकल आम बात हो गई हैं।

भारतीय उद्यमी भारत को प्राथमिकता देने के बजाय विदेश जा रहे हैं और वहां कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। निर्यात में भारी गिरावट आ रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोदी सरकार ने चिह्नित किए गए 14 क्षेत्रों में से 12 के शुरुआत में ही विफल रहने के बाद 1.97 लाख करोड़ रुपए की बहुप्रचारित पीएलआई योजना के चरण एक को बंद कर दिया है? मोदी सरकार के तहत भारत के कुल निर्यात में माल की हिस्सेदारी कम से कम 50 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर क्यों गिर गई है?''

खरगे ने कहा कि यह एक तथ्य है कि कांग्रेस-संप्रग के तहत भारतीय इतिहास में विनिर्माण की गति सबसे तेज रही। उन्होंने कहा, शायद, अब मोदी जी को एहसास होगा कि असली आत्मनिर्भर भारत कांग्रेस के अंतर्गत था।

## डीजीजीआई ने 357 अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट को ब्लॉक किया

**नई दिल्ली/भाषा।** वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि जीएसटी खुफिया अधिकारियों ने विदेश से संचालित अवैध ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की 357 वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही लगभग 2,400 बैंक खाते जब्त किए हैं। मंत्रालय ने जनता को विदेशी गेमिंग मंचों से जुड़ने के खिलाफ आगाह भी किया। मंत्रालय ने कहा कि बॉलीवुड हस्ती और क्रिकेट खिलाड़ियों के अलावा सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले भी अगर इन मंचों का समर्थन करें, तो भी इनसे नहीं जुड़ना चाहिए। लगभग 700 विदेशी ई-गेमिंग कंपनियां माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (जीडीडीआई) की जांच के दायरे में हैं, क्योंकि इन्होंने पंजीकरण नहीं कराया है और जीएसटी की चोरी कर रही हैं।

## तमिलनाडु परिसीमन बैठक चुनावों के मद्देनजर, द्रमुक के पास बताने के लिए कुछ नहीं : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कथित रूप से हिंदी थोपने और लोकसभा सीटों के परिसीमन जैसे 'भावनात्मक' मुद्दों को इसलिए उठा रही है क्योंकि उसके पास तमिलनाडु में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान लोगों के सामने अपनी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने के लिए कुछ नहीं है।

सीतारमण ने तमिलनाडु की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि वहां 'अराजकता' फैली हुई है। उन्होंने अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा।

सीतारमण ने कहा, उस छात्रा का क्या हुआ। आरोपी आपकी पार्टी

का कार्यकर्ता है या नहीं? उन्होंने 2024 में हुई शराब से मौतों के बारे में पूछा, अब तक कल्लाकुरिची घटना पर सरकार का क्या जवाब है?

सीतारमण ने स्टालिन से पूछा कि द्रमुक सरकार ने अपने प्रयासों से क्या 'विशिष्टता' हासिल की है?

उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या वह (स्टालिन) तमिलनाडु में किसी कल्याणकारी योजना का उल्लेख कर सकते हैं।

वित्त मंत्री ने कहा, कुछ भी नहीं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, इसलिए अपनी अक्षमता, भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए ये पुराने भावनात्मक मुद्दे उठाएं जा रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे मनमोहन सिंह (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार के दौरान रोजाना घोटाले सामने आते थे, जिसमें द्रमुक भी शामिल थी। तमिलनाडु की मौजूदा सरकार में भी ऐसे ही घटनाएं हो रही हैं।

सीतारमण ने द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा, इसलिए 2026 के चुनावों (विधानसभा) का सामना कैसे किया जाए तो परिसीमन का मुद्दा उठाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष ही स्पष्ट कर दिया था कि परिसीमन के मामले में किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा।

सीतारमण ने दावा किया, हमें स्थिति को समझना होगा। उनके (द्रमुक) पास 2026 (चुनाव में) में जनता को दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए वे भावनात्मक रूप से तमिलनाडु को 1960 और 1980 के दशक में वापस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

## कोहली और सॉल्ट के अर्धशतकों से आरसीबी ने केकेआर को रौंदा

**कोलकाता/भाषा।** क्रुणाल पंड्या और जोस हेजलवुड की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (नाबाद 59) और फिल सॉल्ट (56) की आक्रामक बल्लेबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सत्र के शुरुआती मुकाबले में गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर 22 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दर्ज की

कप्तान अजिंक्य रहाणे की

31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम आठ विकेट पर 174 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

कोहली ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर एक छोर संभाले रखा तो वहीं दूसरे छोर से उन्हें सॉल्ट और कप्तान रजत पाटीदार का अच्छा साथ मिला। सॉल्ट ने 31 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 95 रन की साझेदारी कर आसीबी को शानदार शुरुआत दिलायी।

पाटीदार ने 16 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाये जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने पांच गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 15 रन बनाये।

## पुलिस और बीवाईसी प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प के बाद बलूचिस्तान में हड़ताल शुरू

**कराची/भाषा।** एक दिन पहले पुलिस और बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के बीच हिंसा भड़कने के बाद शनिवार को पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के कई हिस्सों में प्रतिष्ठानों को बंद करने और चक्का जाम हड़ताल देखी गई। बीवाईसी के नेता महरंग बलूच के आह्वान पर राजधानी क्वेटा सहित प्रांत के कई हिस्से बंद रहे, जिन्हें शनिवार को कुछ अन्य कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे हुए गिरफ्तार किया गया था। हड़ताल का आह्वान तब किया गया जब बीवाईसी ने शुक्रवार को क्वेटा में सरियाब रोड पर बलूचिस्तान विश्वविद्यालय के पास शांतिपूर्ण धरने पर पुलिस की कार्रवाई का आरोप लगाया। यह प्रदर्शन प्रांत में कथित तौर पर जबरन गायब किये जाने के विरोध में आयोजित किया गया था। सरकार ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों ने हिंसा का सहारा लिया। महरंग ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर एक बयान में दावा किया कि कथित पुलिस बर्बरता के कारण तीन बीवाईसी कार्यकर्ता मारे गए और महिलाओं सहित 13 अन्य घायल हो गए।

## मणिपुर में मुश्किल दौर जल्द खत्म होगा : न्यायमूर्ति गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चुराचांदपुर/इंफाल (मणिपुर)/भाषा।** उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने शनिवार को उम्मीद जताई कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर में ''मौजूदा कठिन दौर'' कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के सहयोग से जल्द ही खत्म हो जाएगा तथा राज्य देश के बाकी हिस्सों की तरह समृद्ध होगा।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले न्यायमूर्ति गवई ने आज मणिपुर का दौरा किया और जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य के लोगों से शांति एवं सद्भाव बहाल करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

अधिकारियों ने बताया कि न्यायमूर्ति गवई ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन के साथ चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर का दौरा किया और विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने जिले के लमका स्थित मिनी सचिवालय से एक कानूनी सेवा शिविर और एक चिकित्सा शिविर का भी ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया।

मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलशिलू भी मौजूद थे।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''हमारा देश विविधता में एकता का सच्चा उदाहरण है।

## इजराइली सेना गाजा में और अंदर घुसी, एकमात्र कैंसर अस्पताल नष्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइली सेना गाजा पट्टी में और अंदर तक घुस गई है और उसने युद्धग्रस्त क्षेत्र के एकमात्र कैंसर अस्पताल को भी नष्ट कर दिया है।

इजराइली नेताओं ने कहा है कि जब तक हमास उसके शेष बंधकों को रिहा नहीं करता, तब तक इजराइल अधिक क्षेत्र पर कब्जा करता रहेगा। यह अस्पताल गाजा को विभाजित करने वाले नेतजारिम कॉरिडोर में स्थित है।

हमास के साथ युद्धविराम तोड़ने के कुछ ही समय बाद इस सप्ताह इजराइल ने क्षेत्र को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया। इस युद्धविराम के कारण जनवरी के

अंत से गाजा में अपेक्षाकृत शांति रही और दो दर्जन से अधिक बंधकों की रिहाई में मदद मिली।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने तुर्की-फलस्तीनी मैत्री अस्पताल पर हमला किया क्योंकि युद्ध के दौरान चिकित्सक और मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे थे और हमास के लड़ाके वहां से अपनी लड़ाई लड़ रहे थे।

अस्पताल के 'ऑन्कोलॉजी विभाग' के प्रमुख डॉ. ज़की अल-जकजूक ने कहा कि युद्धविराम के दौरान एक चिकित्सकीय टीम ने अस्पताल का दौरा किया था और पाया कि वहां कुछ क्षति हुई थी। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं यह समझने में असमर्थ हूं कि ऐसे अस्पताल को बम से उड़ाने से क्या हासिल होगा?

तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने इस अस्पताल को नष्ट किए जाने की निंदा की है।

### इजराइल ने लेबनान में गोलीबारी की

**बेरूत (लेबनान)/एपी।** इजराइल ने उसे निशाना बनाकर दागे गए रॉकेट के जवाब में शनिवार को लेबनान पर हमला किया। इससे पहले, दिसंबर के बाद से दूसरी बार लेबनान से इजराइल पर रॉकेट दागे गए, जिससे इस बात को लेकर चिंता पैदा हो गई कि क्या लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को कहा कि उसने सेना को लेबनान में कई ठिकानों को निशाना बनाने का निर्देश दिया है। सात अक्टूबर, 2023 को गाजा से हमास के हमले के अगले दिन ही हिजबुल्ला ने इजराइल में रॉकेट, ड्रोन और मिसाइलें दागना शुरू कर दिया था।

### मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

**कटघरे में कानून**

फाँसी या उम्र कैद से क्या,
अपराधी सचमुच डर लेगा?
धाराओं की कारा में क्या,
गंदे मनसूबे हर लेगा?
जज ही जब खड़े कटघरे में,
कानून सख्त क्या कर लेगा?
जेबों में बैठ समर्थों की,
खुद को ताकों में धर लेगा।।

# न्यायिक जवाबदेही के बारे में भी कहीं न कहीं विचार किया जाना चाहिए : रविशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को कहा कि वह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का पूरा सम्मान करते हैं, लेकिन न्यायिक जवाबदेही के बारे में भी कहीं न कहीं विचार किया जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रसाद ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मैं इतना ही कहूंगा कि देश अपेक्षा करता है कि न्यायाधीशों के व्यक्तित्व, उनकी ईमानदारी और उनकी पारदर्शिता पर देश विश्वास करे। वैसे हम न्यायपालिका की स्वतंत्रता का पूरा सम्मान करते हैं। पूर्व कानून मंत्री से दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में सवाल किया गया था। प्रसाद ने कहा कि इस मामले को उच्चतम न्यायालय अपनी तय प्रक्रिया के तहत देख रहा है और मामले में शीर्ष अदालत के निर्णय की अपेक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आपको मालूम है कि जब मैं कानून मंत्री था, तब हम एक बार राष्ट्रीय न्यायिक (नियुक्ति) आयोग लेकर आए थे। इस व्यवस्था को उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था, लेकिन अब शायद कहीं न कहीं न्यायिक जवाबदेही के बारे में भी विचार किया जाना चाहिए।

प्रसाद ने कहा कि वह न्यायपालिका की निष्पक्षता और ईमानदारी के बहुत बड़े समर्थक हैं। भाजपा नेता ने एक सवाल पर कहा कि न्यायाधीशों को बेटियों और बच्चियों के मामलों में और संवेदनशील बनना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं बहुत विनम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश में जब 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' की बात होती है, तो यह ध्यान रखना न्यायमूर्तियों का भी काम है कि बेटियों के बारे में संवेदनशीलता रखी जाए। प्रसाद ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान के खिलाफ बताया और कहा कि इससे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का हक मारा गया है। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने बार-बार कहा है कि धर्म और उपासना पद्धति के आधार पर किसी भी समुदाय को आरक्षण नहीं दिया जा सकता। देश के संविधान में भी इसका निषेध है। फिर भी वोट बैंक के लालच में कांग्रेस आखिर कहां तक जाएगी?''

देश में योग्यता (मेरिट) की प्रणाली को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सवाल उठाए जाने पर प्रसाद ने कहा, राहुल को पहले यह बताना चाहिए कि वह किस योग्यता से लोकसभा में विपक्ष के नेता बने हैं? इस पद पर उनकी नियुक्ति में मेरिट (योग्यता) के नियमों की सरासर अवहेलना की गई है।

# धामी ने दूसरे कार्यकाल के तीन साल होने पर पेश किया 'रिपोर्ट कार्ड, अपनी सरकार की उपलब्धियां बताईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**देहरादून/भाषा।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार को राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन से संबंधित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान इस मुद्दे के समाधान के लिए अतिक्रमण हटाने और सत्यापन अभियान जैसी कार्रवाई जारी रखेंगे।

अपने दूसरे कार्यकाल के तीन वर्षों में राज्य सरकार के प्रदर्शन पर ''रिपोर्ट कार्ड'' देते हुए उन्होंने स्वतंत्र भारत में सबसे पहले उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन, धर्मांतरण रोधी और धोखाधड़ी रोधी कठोर कानूनों की शुरुआत और ''मजारों तथा मदरसों'' के नाम पर बड़े पैमाने पर सरकारी भूमि के अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को अपनी सरकार की मुख्य उपलब्धियों में से एक बताया। धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने उन मुद्दों को निपटाया है जिन्हें पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर दिया था। वह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने की पूर्व संध्या पर एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, चाहे वह भूमि जिहाद, लव जिहाद या थूक जिहाद का मामला हो, हम ऐसे मामलों में कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटे हैं।

साथ ही, हमने इसे किसी समुदाय से नहीं जोड़ा। धामी ने कहा, अतिक्रमित भूमि पर बनी मजारों और अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक उत्तराखंड पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जाता। हम किसी भी अवैध चीज के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। शांतिप्रिय राज्य में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए दंगा-फसाद के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता के बाद उत्तराखंड इस वर्ष 27 जनवरी को समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। धामी ने 23 मार्च 2022 को लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान राज्य में कुछ सबसे बुरी आपदाएं आईं और हर बार उन्होंने आपदा स्थल तक पहुंचने तथा प्रभावित लोगों के बीच जाने में कोई देरी नहीं की। धामी ने 2023 में सिल्क्यारा सुरंग ढहने की घटना का उदाहरण दिया जिसमें फंसे हुए सभी 41 मजदूरों को 17 दिन तक चले बहु-एजेंसी बचाव अभियान के बाद जीवित बचा लिया गया था। उन्होंने केदार घाटी आपदा का भी उल्लेख किया जिसमें लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था तथा हाल ही में माणा गांव में बीआरओ शिविर क्षेत्र में हुए हिमस्खलन का भी उदाहरण दिया जिसमें कुल 54 मजदूरों में से 46 लोगों को बचा लिया गया था।

## सहज स्मृति योग

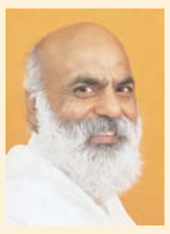

**व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।**

**प्रश्न:** गुरुजी, आपने एक बार सत्संग में कहा था कि, जब तक जिज्ञासु-साधक स्वयं अपना प्रश्न ही नहीं हो जाता, तब तक उसको सच्चा समाधान भी प्राप्त नहीं हो पाता। कृपया इसे स्पष्ट करें।

**उत्तर:** आध्यात्म, वर्तमान जीवन अवधि में ही, जन्म से पूर्व और मृत्यु के उपरांत की अवस्था की अनुभूति पाने का ज्ञान और विज्ञान है। अतः साधक भूत और भविष्य के काल्पनिक काल में न खो जाए, इसके लिए साधक में तल्लीनता, संवेदनशीलता तथा ध्यान जैसी चेष्टाओं, क्रियाओं तथा अवस्थाओं की महत्ता है। जो भूत और भविष्य से मुक्त पूर्णतः वर्तमान में होता है उसका प्रश्न, संशय रहित निर्विकल्प प्राणपण से समर्पित स्वयं वह ही होता है कोई अन्य नहीं! और ऐसे प्रश्न का समाधान मिलने पर वह समाधान भी तो पूर्णतः निर्विकल्प और प्राणपण से संशयरहित स्वयं वह ही होता है कोई अन्य नहीं। दर्पण के सामने होने पर उसी की छवि दिखती है जो सामने हो किसी और की नहीं। पूर्ण समर्पण में शिष्य को जो प्राप्त होता है वह पूर्ण के अतिरिक्त और हो ही कौन सकता है ! यही इसका रहस्य है। साधक कम से कम स्वयं अपनी दृष्टि में अपना सत स्वरूप ( वर्तमान) तो हो! वरना गुरु रूपी दर्पण में गुरुतर सत (बृहत ) का दर्शन 'किसे' हो! क्या आपको सच्चा समाधान पाने के लिए (प्रश्न का )सच्चा होना अनिवार्य नहीं लगता? विचार कीजिए।

## सरकार ने 10 पीएलआई योजनाओं में 14,020 करोड़ रुपए जारी किए

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा सहित दस क्षेत्रों के लिए 14,020 करोड़ रुपए जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। सरकार ने 2021 में दूरसंचार, व्हाइट गुड्स, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों, वाहन, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पादों, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन सेल बैटरी, ड्रोन और फार्मा जैसे 14 क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की थी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, 10 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत लगभग 14,020 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी की गई है। ये क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, आईटी हार्डवेयर, थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, वाहन और ऑटो घटक तथा ड्रोन हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि पारदर्शी तंत्र के जरिये समय-समय पर अलग-अलग मामलों को मंजूरी दी गई है। परियोजनाओं को विनिर्माण की प्रकृति के आधार पर दो-तीन वर्षों में कार्यान्वित किया जाता है। आमतौर पर उत्पादन के पहले वर्ष के बाद दावे किए जाते हैं। मंत्रालय ने कहा, अधिकांश परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं और समय आने पर प्रोत्साहन दावे दायर किए जाएंगे। अब तक 14 क्षेत्रों के लिए योजनाओं के तहत 764 आवेदनों को मंजूरी दी गई है।

## कृषि मंत्री ने प्रयोगशालाओं से खेतों तक कृषि तकनीक को तेजी से पहुंचाने का आग्रह किया

**नई दिल्ली/भाषा।** कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को किसानों के फायदे के लिए प्रयोगशालाओं से खेतों तक कृषि तकनीक तेजी से पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया।

चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के 63वें दीक्षांत समारोह में वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि मशीनरी, स्मार्ट खेती और उन्नत डिजिटल तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए अनुसंधान को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि देश के कई छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए नवाचार विशेष रूप से आवश्यक हैं। सरकारी बयान के अनुसार, भारत की कृषि वृद्धि दर फिलहाल 5% है, जिसका श्रेय चौहान ने आईएआरआई और किसानों के संयुक्त प्रयासों को दिया। मंत्री ने छात्रों से अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप के माध्यम से कृषि चुनौतियों का समाधान करने का आग्रह भी किया। कार्यक्रम में कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व रामनाथ ठाकुर, केंद्रीय कृषि सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक देवेश चतुर्वेदी और आईएआरआई के निदेशक श्रीनिवास शामिल हुए।

## मोहाली के बाद अब अमृतसर में हिमाचल प्रदेश की चार बस क्षतिग्रस्त, खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमृतसर/भाषा।** पंजाब के अमृतसर में बस स्टैंड पर शनिवार को कुछ अज्ञात लोगों ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की चार बसों के हवारोधी शीशे (विंडशील्ड) तोड़ दिए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार बसों पर खालिस्तान के समर्थन में नारे भी लिखे हुए मिले। ये बस यहां एक बस स्टैंड पार्किंग में खड़ी थीं और घटना के समय उनमें कोई मौजूद नहीं था।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कुछ दिन पहले मोहाली के खरार में भी दो अज्ञात व्यक्तियों ने एचआरटीसी की एक बस की विंडशील्ड और कुछ खिड़कियां क्षतिग्रस्त कर दी थीं।

इन घटनाओं से पहले हाल में हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानीय लोगों ने पंजाब के युवकों के एक समूह की मोटरसाइकिलों से आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीर वाले झंडे उतार दिए थे जिसके बाद विवाद पैदा हो गया था।

अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए दल खालसा और 'सिख यूथ ऑफ पंजाब' के कार्यकर्ताओं ने होशियारपुर में एचआरटीसी बसों के साथ-साथ कुछ निजी बसों पर भी भिंडरावाले की तस्वीर चिपका दी।

## नागपुर हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों से की जाएगी : मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नागपुर/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि सरकार नागपुर हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई संपत्तियों की कीमत दंगाइयों से वसूलेगी और भुगतान नहीं करने पर उनकी संपत्तियों को जब्त कर बेचा जाएगा।

फडणवीस ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करने के बाद अब तक 104 दंगाइयों की पहचान की गई है और कानून के अनुसार 12 नाबालिगों सहित 92 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान पवित्र आयत लिखी चादर जलाए जाने की अफवाहों के बीच हिंसक भीड़ ने सोमवार शाम नागपुर के कई इलाकों में पथराव और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया था। हिंसा के परिणामस्वरूप शहर के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी हुई, जिसमें पुलिस उपायुक्त स्तर के तीन अधिकारियों सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए। फडणवीस ने कहा कि मध्य नागपुर के इलाकों में सोमवार को हुई हिंसा के कारण 30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निर्धारित दौरा प्रभावित नहीं होगा।

गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा, नागपुर हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई संपत्तियों की कीमत दंगाइयों से वसूली जाएगी और भुगतान न करने पर नुकसान की भरपाई के लिए उनकी संपत्तियों को जब्त कर बेचा जाएगा।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक पुलिस पर हमला करने वाले तत्वों का पता नहीं चल जाता और उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि नागपुर में स्थिति अब शांत है और कुछ इलाकों में लगाए गए कर्फ्यू में ढील देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फडणवीस ने कहा, दंगे शहर के कुछ हिस्सों में ही भड़के, जबकि नागपुर का 80 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के लिए मुआवजे का वितरण जल्द ही शुरू हो जाएगा और स्थिति को बिगाड़ने वाले 68 सोशल मीडिया पोस्ट की पहचान कर उन्हें हटा दिया गया है। फडणवीस ने कहा कि भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने वालों पर हिंसा भड़काने में भूमिका के लिए उन्हें सह-आरोपी बनाया जाएगा।

## जम्मू कश्मीर : अनंतनाग में आतंकवादियों के कथित आका का घर ध्वस्त

**श्रीनगर/भाषा।** जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में अधिकारियों ने शनिवार को पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों के कथित आका से संबद्ध अवैध रूप से निर्मित घर को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अनंतनाग पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर रेखा हसनपुरा में अवैध रूप से निर्मित मकान और चबूतरे को ध्वस्त कर दिया तथा प्रशासन ने अतिक्रमण वाली सरकारी जमीन को कब्जे में ले लिया। उन्होंने कहा कि यह संपत्ति 'आतंकियों के आका' हारून रशीद गनी की है, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से कथित तौर पर जुड़ा हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि 2018 से पाकिस्तान में रह रहे गनी पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है।

# परिसीमन से लोकसभा और राज्यसभा में किसी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए : जगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शनिवार को अपील की कि परिसीमन प्रक्रिया इस तरह से की जाए जिससे सदन में कुल सीट की संख्या के संदर्भ में लोकसभा या राज्यसभा में किसी भी राज्य के प्रतिनिधित्व में कमी न आए। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख ने प्रधानमंत्री को 21 मार्च को लिखे पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला कि परिसीमन का मुद्दा इतना गंभीर है कि यह देश में सामाजिक और राजनीतिक सद्भाव को बाधित करने का कारण बन सकता है। इस पत्र की प्रति मीडिया से शनिवार को साझा की गई।

रेड्डी ने कहा, परिसीमन प्रक्रिया को इस तरीके से करने का अनुरोध किया जाता है कि सदन में कुल सीट की संख्या के संदर्भ में लोकसभा या राज्यसभा में किसी राज्य के प्रतिनिधित्व में कोई कमी नहीं आए।

विपक्षी नेता ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान में इस तरह संशोधन किया जाना चाहिए कि किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं हो। उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया को पूरे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नीति और कानून निर्माण में कुछ राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर असर पड़ता है, बल्कि भारत की आबादी के बड़े हिस्से की गहरी भावनाएं भी प्रभावित होती हैं। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, महोदय, इस बात को ध्यान में रखते हुए मैं परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर देता हूं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के बीच जनसंख्या नियंत्रण में असंतुलन एक बड़ा मुद्दा है। उनका पत्र ऐसे समय में साझा किया गया है जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के निमंत्रण पर कई दल परिसीमन प्रक्रिया पर विचार-विमर्श करने के लिए चेन्नई में बैठक कर रहे हैं।

परिसीमन प्रक्रिया पर मौजूदा प्रतिबंध को 84वें संविधान संशोधन ने 2026 तक बढ़ा दिया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्यों के लिए संसद में सीट की संख्या पुनर्व्यवस्थित हो जाएगी। वाईएसआरसीपी संसदीय दल के नेता वाई वी सुब्बा रेड्डी ने जगन मोहन रेड्डी का पत्र प्रधानमंत्री और द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पार्टी के नेताओं को भेजा, जिसमें परिसीमन प्रक्रिया में निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया गया है। हालांकि, वाईएसआरसीपी ने द्रमुक द्वारा परिसीमन पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई जबकि द्रमुक के नेताओं-तमिलनाडु के लोक निर्माण मंत्री ई वी वेलु और द्रमुक के राज्यसभा सदस्य पी विल्सन ने हाल में जगन मोहन रेड्डी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी और उन्हें आमंत्रित किया था। जगन मोहन ने इस बात पर जोर दिया कि परिसीमन की प्रक्रिया के 2026 में संभावित जनगणना के बाद होने की धारणा ''कई राज्यों के लिए गंभीर चिंता'' पैदा कर रही है, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों को डर है कि उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

## परिसीमन होना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से : सुप्रिया सुले

**मुंबई/भाषा।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन किया जाना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से। राकांपा (एसपी) विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक की सहयोगी है। द्रमुक ने शनिवार को परिसीमन पर राज्यों की अपनी पहली बैठक आयोजित की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि यह एक बैठक से कहीं अधिक है, जिसने एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत की है जो निष्पक्ष तरह से परिसीमन करने के लिए देश के भविष्य को आकार देगा।

परिसीमन नवीनतम जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने की प्रक्रिया है। सुले ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या प्रबंधन और सामाजिक क्षेत्र में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, परिसीमन पर कोई स्पष्टता नहीं है और हम चिंतित हैं। परिसीमन किया जाना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से। बारामती से लोकसभा सदस्य सुले से जब द्रमुक द्वारा आयोजित संयुक्त बैठक पर उनकी पार्टी के रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम द्रमुक के संपर्क में हैं।

## कृषि को व्यवसाय, किसानों को उद्यमी बनाकर पूरा होगा विकसित भारत का संकल्पः नवीन जिंदल

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय किसानों को कृषि उद्यमी और खेती को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत है। भाजपा के सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल ने शुक्रवार को लोकसभा में यह बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र में नीतिगत सुधारों, आधुनिकीकरण और वैश्विक विस्तार का आह्वान किया। जिंदल ने कहा कि किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने 1.37 लाख करोड़ रुपए के कृषि बजट का स्वागत किया और पीएम धन-धान्य कृषि योजना में हरियाणा को शामिल करने की मांग की।

जिंदल ने किसानों की आय सुरक्षा पर जोर दिया और कहा कि किसानों की औसत दैनिक आय अभी भी न्यूनतम मजदूरी से कम है। उन्होंने भंडारण और लॉजिस्टिक में सुधार की आवश्यकता जताई, ताकि कटाई के बाद 1.5 लाख करोड़ रुपए की फसल की बर्बादी को रोका जा सके। सांसद ने कृषि व्यापार नीतियों को उदार बनाने व निर्यात को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कृषि मूल्य श्रृंखला के संपूर्ण विकास के लिए उत्पादन, भंडारण, परिवहन, खुदरा बिक्री और उपभोक्ताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

# गोवा में 304 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ, प्रधानमंत्री बताएं कि कार्रवाई होगी या नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि गोवा में बिना प्रतिस्पर्धी बोली के निजी क्षेत्र के लोगों को 20 से अधिक परियोजनाओं का ठेका दिए जाने से 304 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि क्या मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और अन्य लोगों के खिलाफ कभी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस के इस आरोप पर फिलहाल भारतीय जनता पार्टी या गोवा सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने कुछ कागजात के साथ जारी एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ तथाकथित लड़ाई 'भ्रष्टाचारियों के लिए लड़ाई' है। गोवा में उनकी अपनी सरकार इस खोखली बात का एक प्रमुख उदाहरण है। सरकारी निधि में 304.24 करोड़ का घोटाला हुआ है, जहां निजी क्षेत्र के लोगों को प्रतिस्पर्धी बोली के बिना 20 से अधिक परियोजनाएं सौंपी गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार ने गोवा के लोगों को लूटा है।

खेड़ा ने दावा किया, ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' की बात सिर्फ मृगतृष्णा है। भाजपा ने गोवा में मिनी अदाणियों का एक गिरोह बनाया है, जो अच्छे ठेके देने में पक्षपात के माध्यम से लाभ उठाते हैं, खुले तौर पर खरीद नियमावली और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के हर नियम को ध्वस्त करते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा की गोवा सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत एक विक्रेता को 47.18 करोड़ की स्मार्ट वाटर सप्लाई परियोजना प्रदान की, जाहिर तौर पर बिना किसी सामान्य खुली बोली के यह किया गया। लोक निर्माण विभाग ने बिना किसी पूर्व वित्तीय मंजूरी के प्रमुख सड़क सुधार परियोजनाओं को अंजाम दिया। उसने कुल 148.66 करोड़ रुपए मूल्य के कार्य बिना बोली के और केवल नामांकन के आधार पर किए हैं। उन्होंने कुछ अन्य मामलों का भी हवाला दिया और कहा, जब ईडी पिछले 10 वर्षों में देश भर के राजनेताओं के खिलाफ 193 मामले दर्ज कर सकता है, तो क्या प्रधानमंत्री मोदी जवाब देंगे कि ईडी या सीबीआई ने गोवा में भ्रष्टाचार के लिए कितने मामले दर्ज किए हैं? क्या आपका ईडी भाजपा शासित गोवा में सुविधाजनक रूप से अंधा हो गया है?

# कड़ी सुरक्षा के बीच कन्नड़ समर्थक समूहों का 'कर्नाटक बंद' शांतिपूर्ण रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेलगावी में पिछले महीने एक सरकारी बस कंडक्टर पर कथित तौर पर मराठी भाषा नहीं आने के कारण किए गए हमले के विरोध में कन्नड़ समर्थक समूहों द्वारा आहूत सुबह से शाम तक का 'राज्यव्यापी बंद' शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। बंद के दौरान पुलिस द्वारा व्यापक प्रबंध किये गये थे जिसके कारण बंद के दौरान अप्रिय घटना नहीं हुई। बंद से पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की अपील की तथा चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने या तोड़फोड़ करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा। राज्य के कई हिस्सों में कन्नड़ समर्थक समूहों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया और उन्होंने दुकानदारों से सहयोग करने तथा इस मुद्दे को समर्थन देने की अपील की। लेकिन अधिकतर दुकानें हमेशा की तरह खुली रहीं।

बेंगलूरु में कार्यकर्ता मैसूरु बैंक सर्कल पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मैजेस्टिक में बीएमटीसी और केएसआरटीसी बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन किया और बस चालकों एवं कंडक्टरों से बंद का समर्थन करने का आग्रह किया। जैसे ही उनका आंदोलन तेज हुआ, पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया। आंदोलन का नेतृत्व करते हुए, कन्नड़ चळुवली (वाटाल पक्ष) के संयोजक वाटाल नागराज ने मैजेस्टिक में प्रदर्शन किया। उन्होंने बंद को सफल बताते हुए दावा किया कि बस स्टैंड पर कोई नहीं था, कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और कई ऑटोरिक्शा चालक सड़कों से नदारद रहे।

मैसूरु में कन्नड़ समर्थक कुछ कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पर बसों को रोककर धरना दिया। उन्होंने बेंगलुरु और राज्य के अन्य भागों की ओर जाने वाली बसों को रोकने के लिए निकास द्वार के पास धरना दिया। मैसूरु में केएसआरटीसी की एक बस को रोकने का प्रयास करने पर कुछ कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। इसी तरह का प्रदर्शन दावणगेरे में भी हुआ, जहां प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए।

पूरे राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं तथा वरिष्ठ अधिकारी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जमीनी स्तर पर स्थिति पर नजर रख रहे ते। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न जिलों में पुलिस ने एहतियात के तौर पर 'सिटी आर्म्ड रिजर्व' इकाई के साथ-साथ होमगार्डों को भी तैनात किया किया गया था। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने चेतावनी दी कि बंद में शामिल होने के लिए लोगों को मजबूर करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर बेंगलूरु शहर में कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस की 60 टुकड़ियां, 1200 होमगार्ड और यातायात पुलिस बल तैनात किया गया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून का पालन करने का आग्रह किया।

बेंगलूरु के उपायुक्त जगदीश. जी के अनुसार स्कूल, कॉलेजों के लिए कोई अवकाश घोषित नहीं किया गया है। विभिन्न कन्नड़ समर्थक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र संगठन 'कन्नड़ ओक्कुटा' ने 22 मार्च को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक राज्यव्यापी बंद की घोषणा 28 फरवरी को की थी। कुछ संगठनों और यूनियन ने या तो बंद से दूर रहने का निर्णय लिया है या केवल नैतिक समर्थन देने का निर्णय लिया है। इस बीच आपातकालीन सेवाएं - मेडिकल स्टोर, अस्पताल और एम्बुलेंस सेवाएं, पेट्रोल पंप और मेट्रो सेवाएं चालू रहीं।

# अपनी आवाज, संस्कृति, भाषा और संसाधनों की रक्षा के लिए मिलकर लड़ें : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्र सरकार केवल जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन करने की ओर बढ़ रही है, जो कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, पंजाब सहित प्रगतिशील राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबा देगी। इसलिए सीटों का पुनर्वितरण केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि मानव विकास, कर योगदान, शासन और जनसंख्या नियंत्रण सूचकांकों के आधार पर भी किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मांग की कि यदि सीटों का पुनर्वितरण जनसंख्या के आधार पर किया जाता है, तो पुनर्वितरण 1971 की जनगणना के आधार पर किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों के परिसीमन का विरोध किया। स्टालिन के नेतृत्व में शनिवार को चेन्नई में आयोजित पहली जेएसी (संयुक्त कार्रवाई समिति) बैठक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भाग लिया। बैठक में बोलते हुए उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा सीटों के परिसीमन पर कर्नाटक की स्थिति स्पष्ट की। मैं इस बैठक में हमारे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पूर्ण समर्थन के साथ बोल रहा हूँ। बीमारी के कारण वे इस बैठक में शामिल नहीं हो सके। लेकिन देश की सांप्रदायिक व्यवस्था की रक्षा के लिए इस ऐतिहासिक संघर्ष के लिए मुझे उनका समर्थन प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि देश की इस दुविधा में हम सब एकजुट हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की नींव, संघीय प्रणाली, आज खतरे में है। आज बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को चरणबद्ध तरीके से नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। हमारे पास केवल एक ही विकल्प है: या तो उत्पीड़न के आगे झुकना या उसके विरुद्ध उठ खड़ा होना। उन्होंने कहा, इसलिए, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित इस बैठक में भाग लेने वाले सभी प्रगतिशील राज्यों ने प्रतिरोध का विकल्प चुना है।

उन्होंने कहा, लोकसभा सीटों का परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर किया जा रहा है। यह दक्षिणी राज्यों पर किया जा रहा राजनीतिक उत्पीड़न है। केंद्र हमारे उन राज्यों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण, साक्षरता दर और महिला सशक्तीकरण में सफलता हासिल की है। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और अन्य दक्षिणी भारतीय राज्यों ने भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन राज्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास को उच्च प्राथमिकता दी है। हालांकि, केंद्र सरकार हमारे संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्तर पर हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। यह केवल अन्याय नहीं है, यह विश्वासघात है। जिन राज्यों ने सुशासन और प्रगति हासिल की है, उन्हें मान्यता दी जानी चाहिए और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ संख्या की लड़ाई नहीं है। यह हमारी गरिमा, संस्कृति और हमारी विरासत का मामला है। कर्नाटक में बसवन्ना के वचनों से लेकर कुवेम्पु तक 1,500 साल पुरानी साहित्यिक विरासत है। तमिलनाडु की संगम कविता, केरल की पारंपरिक कलाएँ और आंध्र प्रदेश की तेलुगु विरासत सिर्फ़ क्षेत्रीय खजाने नहीं हैं। ये सभी भारत की आत्माएँ हैं।

फिर भी केंद्र सरकार एक राष्ट्र, एक भाषा की नीति थोपने की ओर बढ़ रही है। ऐसा करके वह भाषाई विविधता को मिटाने की कोशिश कर रही है। रेलवे के संकेतों से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक में हिंदी को थोपे जाने से हमारी भाषाई और सांस्कृतिक एकता को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और अन्य क्षेत्रीय भाषाएं सिर्फ बोलियां नहीं हैं, वे हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं।

# मैसूरु के चिकित्सक के अपहरण-हत्या मामले में तीन दोषियों को जेल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। केरल की एक अदालत ने मैसूरु में पारंपरिक तरीके से इलाज का दावा करने वाले एक चिकित्सक के अपहरण और हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए तीन लोगों को कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मलप्पुरम के नीलांबुर में साल 2019 में आरोपियों में से एक के घर पर चिकित्सक की नृशंस हत्या कर दी गई थी।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम तुषार एम ने 60 वर्षीय चिकित्सक शबा शरीफ के अपहरण और हत्या से जुड़े मामले में मुख्य आरोपी शेबिन अशरफ को 13 साल नौ महीने की जेल की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक ईएम कृष्णन नम्बूदरी ने बताया कि अदालत ने अशरफ को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आठ साल, धारा 347 (गलत तरीके से बंधक बनाना) के तहत तीन साल, धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दो साल और धारा 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत नौ महीने की सजा दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी को दी गई सभी सजाएं एक के बाद एक चलेंगी। नम्बूदरी के अनुसार, अदालत ने दूसरे दोषी शिहाबुद्दीन को धारा 120बी के तहत दो साल, धारा 347 के तहत तीन साल, धारा 365 (अपहरण) के तहत तीन साल और धारा 201 के तहत नौ महीने की सजा सुनाई है, जो एक साथ चलेंगी। यानी उसे कुल मिलाकर आठ साल और नौ महीने की सजा काटनी होगी।

नम्बूदरी के मुताबिक, तीसरे दोषी निषाद को धारा 120बी के तहत दो साल, धारा 347 के तहत तीन साल और धारा 201 के तहत नौ महीने की सजा सुनाई गई है।

उन्होंने बताया कि निषाद को कुल मिलाकर पांच साल और नौ महीने की सजा काटनी पड़ेगी। लोक अभियोजक के अनुसार, इसके अलावा अदालत ने तीनों दोषियों पर कुल 3.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है और कहा है कि दोषियों से उक्त राशि वसूलने के बाद इसे शबा शरीफ के परिजनों को दे दिया जाएगा। अदालत ने 20 मार्च को तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। उसने मामले के नौ अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था।

## बीएचईएल को गुजरात में बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ

बेंगलूरु। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने गुजरात के तापी जिले में इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार पर 1गुणा800 मेगावाट उकाई सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (यूनिट -7) स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) के तहत, जीएसईसीएल द्वारा बीएचईएल को यह ऑर्डर दिया गया है।

प्रस्तावित इकाई मौजूदा ऐश डाइक क्षेत्र पर स्थापित की जाएगी। परियोजना में बीएचईएल के कार्य क्षेत्र में ईपीसी पैकेज के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के साथ-साथ सभी आवश्यक विद्युतीय, सिविल और संरचनात्मक कार्य भी शामिल हैं। कंपनी के कार्यक्षेत्र में अत्यधिक कुशल उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल है। गौरतलब है कि, उकाई में पहली थर्मल यूनिट भी 1976 में बीएचईएल द्वारा ही स्थापित की गई थी।

# दपरे के महाप्रबंधक ने होसपेट में विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने शनिवार को हुब्बल्ली और होसपेट सेक्शन के बीच व्यापक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया, जिसमें सुचारू और कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मापदंडों की समीक्षा की गई। होसपेट रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर, मुकुल सरन माथुर ने चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा उन्नत यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की जांच की। उन्होंने यात्री सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए स्टेशन विकास परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के महत्व पर जोर दिया।

महाप्रबंधक ने होसपेट स्टेशन यार्ड का विस्तृत निरीक्षण भी किया, जहां उन्होंने कर्मचारियों द्वारा अपनाई जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं का आकलन किया। उन्होंने सुरक्षित रेलवे संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए रेलवे कर्मियों को आवश्यक मार्गदर्शन और परामर्श दिया।

इसके अलावा, मुकुल सरन माथुर ने होसपेट में कैरिज एंड वैगन इकाई का दौरा किया और कर्मचारियों के साथ बातचीत की, रखरखाव और परिचालन मानकों की समीक्षा की।

उन्होंने होसपेट रेलवे स्टेशन पर क्रू लॉबी और रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों का मूल्यांकन किया। उन्होंने कर्मचारियों को उच्च स्तर की सफाई बनाए रखने और बेहतर कार्य वातावरण के लिए स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान हुब्बल्ली की मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना के साथ दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

# शिवकुमार ने भाजपा की ओर से काले झंडे दिखाए जाने का स्वागत किया, 'बेचारे' अन्नामलाई को दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि शनिवार को चेन्नई पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उन्हें काले झंडे दिखाये जाने का वह स्वागत करते हैं। शिवकुमार द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के निमंत्रण पर परिसीमन को लेकर अयोजित एक बैठक में हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंचे थे। कुछ राज्य सरकारों, विशेषकर दक्षिणी राज्यों ने यह आशंका जताई है कि यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ तो उन्हें नुकसान होगा।

शिवकुमार ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई को 'बेचारा' करार देते हुए कहा कि उन्होंने आईपीएस अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कर्नाटक की सेवा की थी। शिवकुमार ने चेन्नई में एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''मैं भाजपा द्वारा दिखाये गए इन सभी काले झंडों का स्वागत करता हूं। जब उन्होंने मुझे (नई दिल्ली में) तिहाड़ जेल भेजा तब भी मुझे डर नहीं लगा।'' शिवकुमार एवं अन्य लोगों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कथित अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था और मामले में गिरफ्तारी के बाद अदालत ने उन्हें जेल भेजा था। बाद में शीर्ष अदालत ने शिवकुमार के खिलाफ धनशोधन का मामला खारिज कर दिया।

उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''यह अधिकारी (अन्नामलाई), बेचारा मेरे राज्य से हैं। उन्होंने हमारी सेवा की है। वह हमारी ताकत जानते हैं। उन्हें अपना काम करने दें। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।'' जवाब में, अन्नामलाई ने 'बेचारा आदमी' कहने पर शिवकुमार को धन्यवाद दिया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हां, मैंने एक पुलिस अधिकारी के रूप में कर्नाटक के लोगों की लगन से सेवा की है। विशिष्ट उल्लेख के लिए डी के शिवकुमार को मेरी ओर से धन्यवाद।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, इस बेचारे आदमी को शुभकामनाएं देने के लिए आपका धन्यवाद और श्री सिद्दरामय्या को उनकी कुर्सी से हटाकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने के आपके अथक प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।'' भाजपा ने स्टालिन द्वारा बुलाई गई बैठक का विरोध किया है।

# राज्यपाल ने बेंगलूरु टर्फ क्लब की गवर्नर ट्रॉफी रेस में विजेता को ट्रॉफी प्रदान की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतिष्ठित गवर्नर ट्रॉफी रेस शनिवार को बेंगलूरु टर्फ क्लब लिमिटेड में आयोजित की गई, जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण गोल्ड एम्पायर की शानदार जीत थी, जिसे कुशल जॉकी सूरज नारेडू ने सवार किया था।

राजेश नारेडू द्वारा प्रशिक्षित और तेजा गोल्लापुडी, दौलत छाबड़िया, सो ब्लेस्ट ट्रेडिंग कंपनी. प्रा. लिमिटेड, और गोल्ड एम्पायर के मुकुल ए. सोनावाला ने ट्रैक पर उल्लेखनीय प्रदर्शन और कौशल का प्रदर्शन किया। रोमांचक दौड़ के बाद, राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने जॉकी सूरज नारेडू को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित गवर्नर ट्रॉफी प्रदान की। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें बेंगलूरु टर्फ क्लब लिमिटेड के अध्यक्ष आर. मंजूनाथ रमेश, क्लब के सीईओ और सचिव किरण एमके आदि शामिल थे।

### विधायकों के निलंबन आदेश को वापस लेने की अपील

# मुस्लिम तुष्टिकरण और हिंदुओं के अपमान के खिलाफ राज्यव्यापी जनजागरण अभियानः विजयेंद्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा है कि स्पीकर ने उनके विधायकों को निलंबित कर दिया है और राज्य सरकार के साथ मिलकर काम किया है, जो निंदनीय है। उन्होंने स्पीकर से 18 विधायकों के निलंबन आदेश को वापस लेने का आग्रह किया। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शनिवार को एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने आपत्ति जताई कि 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने का निर्णय पूरी तरह से अवैध, असंवैधानिक, एकतरफा और मनमाने ढंग से लिया गया है।

विजयेन्द्र ने स्पीकर की निंदा की कि उन्होंने न केवल विधायकों बल्कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों का भी अपमान किया है। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए आरक्षण देने के सरकार के फैसले का विरोध करती है। वे सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह इसके खिलाफ लड़ेंगे और इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। अगर हिंदुओं में ऐसा है, तो क्या गरीब लोग नहीं हैं? उन्होंने सवाल किया कि जो सरकार संविधान के तहत धर्म आधारित आरक्षण नहीं दे सकती, क्या उसके लिए यह सही है कि वह विदेश में शिक्षा के लिए जाने वाले मुस्लिम छात्रों के लिए वित्तीय सहायता 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख करे और मुस्लिम लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए बजट में धन आवंटित करे। उन्होंने पूछा, अगर हिंदुओं में ऐसा है, तो क्या कोई गरीब नहीं है? क्या उनके पास विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना नहीं है? उन्होंने कहा कि राज्य और देश भर में हिंदू लड़कियां लव जिहाद का शिकार हो रही हैं और अनुबंधों में मुस्लिम आरक्षण की आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक बताया। उन्होंने बताया कि संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धर्म आधारित आरक्षण नहीं दिया जा सकता है और वे सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न अन्य अदालतों के फैसलों का हवाला देते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये फैसले उनके अनुभवी मुख्यमंत्री को पता हैं और यह जानते हुए भी कि यह असंवैधानिक है, राज्य में हिंदुओं पर अत्याचार और अपमान करने का फैसला एक अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संघर्ष पर चर्चा की है और जल्द ही अभियान की रूपरेखा की घोषणा करेंगे। सदन में दिन-रात विरोध प्रदर्शन के बारे में चर्चा हुई है। सोमवार से जिलों में आंदोलन शुरू होगा और राज्यव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

# 'टीबी हारेगा देश जीतेगा' : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी शनिवार को टोंक जिला मुख्यालय पर चिकित्सा तथा स्वास्थ्य विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कृषि ऑडिटोरियम में विश्व क्षयरोग दिवस पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य टीबी उन्मूलन की दिशा में सामुदायिक सहायता प्रदान करना है।

उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि टीबी रोगियों के उपचार में हर संभव मदद करें, ताकि टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी के इलाज में अतिरिक्त निदान और पोषण की सहायता प्रदान करने जोर दिया। उन्होंने कहा किटीबी हारेगा देश जीतेगा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अभियान को लेकर सरकार की मंशानुरूप चिकित्सकों व कार्मिकों को कार्य करने के निर्देश दिए।

चौधरी ने वर्ष 2023 में टीबी से मुक्त हुई जिले की 16 ग्राम पंचायतों के प्रशासकों एवं ग्राम स्तरीय कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं गांधीजी की प्रतिमा भेंट कर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने बताया कि वर्ष 2024 के लिए भी जिले की 51 ग्राम पंचायतों के नाम जिला स्तरीय टीम द्वारा चयन कर भारत सरकार को भिजवाया गया है। भारत सरकार के स्तर पर निर्णय लिए जाने पर इन्हें टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जाएगा।

कन्हैयालाल चौधरी ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक में विकसित भारत युवा संसद-2025 के तहत एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत सबसे अधिक युवा आबादी का देश है। इसलिए युवा अपनी ऊर्जा देश निर्माण में लगाएं। चौधरी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में बड़ी पहल है। युवा इस विषय पर संवाद कर अपने विचार व्यक्त करें।

## झगड़े के दौरान पति की जीभ काटने के आरोप में महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे में घरेलू विवाद के दौरान गुस्से में महिला ने कथित तौर पर अपने पति की जीभ काट ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रवीना सैन (23) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2) और 118(2) के तहत जानबूझकर चोट पहुंचाने और गंभीर रूप से घायल करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। इस घटना की सूचना शुक्रवार शाम को पुलिस को दी गई।

सहायक उपनिरीक्षक बृजराज सिंह के अनुसार, बकानी कस्बे के कन्हैयालाल सैन (25) और पास के सुनेल गांव की रवीना सैन की डेढ़ साल पहले शादी हुई थी। पुलिस के अनुसार दंपति के बीच सामंजस्य नहीं था और पति-पत्नी में अकसर झगड़ा होता था।

सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों ने बताया कि गुस्से में महिला ने कन्हैयालाल की जीभ का एक हिस्सा काट लिया। एएसआई ने बताया कि परिवार के सदस्य कन्हैयालाल को स्थानीय अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे झालावाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया जहां उसका इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों के अनुसार, चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि जीभ के उस हिस्से को सिला जा सकता है। एएसआई ने बताया कि घटना के बाद रवीना ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और दरांती से अपनी कलाई काटने की कोशिश की, लेकिन परिवार के सदस्यों ने रोक लिया। उन्होंने बताया कि कन्हैयालाल के भाई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। सिंह ने बताया कि पीड़ित का उपचार किया जा रहा है और उसके बयान अभी दर्ज किया जाना है।

# जल बचत के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर जिले में स्थित कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर के कुलपति डा बलराज सिंह ने जल संकट की गंभीरता पर चिंता जताते हुए कहा है कि जल बचत एवं जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की जरुरत है। डा सिंह विश्वविद्यालय में विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस वर्ष विश्व जल दिवस की थीम ग्लेशियर संरक्षण रही। डा सिंह ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान जल संकट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जल का सतत और समुचित उपयोग अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि भविष्य में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे जल संकट गहराता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारत की जनसंख्या विश्व की 18 प्रतिशत है जो प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाल रही है। जल संकट के अलावा खाद्य और पोषण सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने सतत विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण और संसाधनों के संतुलित उपयोग पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्र की स्थिरता के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग, खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा एवं व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र लगभग 50-52 प्रतिशत रोजगार उत्पन्न करता है, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

डा सिंह ने रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) तकनीक से पानी की बर्बादी को एक गंभीर समस्या बताया। उन्होंने कहा कि आरओ तकनीक पानी को शुद्ध करती है लेकिन इसके कारण अत्यधिक जल नष्ट होता है। इस समस्या के समाधान के लिए नई और उन्नत तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है, जिससे पानी की बर्बादी को कम किया जा सके।

उन्होंने जल संरक्षण के लिए कई उपाय भी सुझाए जिनमें सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई), ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर प्रणाली से जल की सीधी और नियंत्रित आपूर्ति होती है, जिससे पानी की बर्बादी कम होती है।किसानों को काले रंग के ड्रिप पाइप की जगह सफेद रंग के ड्रिप पाइप का उपयोग करना चाहिए, ताकि ज्यादा गर्मी के दौरान पानी अधिक गर्म न हो और फसलों को नुकसान न पहुंचे।

रेज्ड बेड तकनीक के साथ ड्रिप सिंचाई अपनाने से खेत में नमी बनी रहती है, जिससे प्याज में पर्पल ब्लॉच और अल्टरनेरिया ब्लाइट जैसी बीमारियों का संक्रमण कम होगा। छोटे किसानों के लिए कम दबाव वाली ड्रिप फर्टिगेशन तकनीक विकसित की गई है, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है, शामिल हैं।

इसके अलावा ऐसी फसलें उगानी चाहिए जो कम पानी की आवश्यकता वाली हों। साथ ही, एक ही खेत में विभिन्न प्रकार की फसलें लगाकर जल उपयोग को संतुलित किया जा सकता है।

# पेपर लीक मामला: सरिता मीणा के बाद अब पटवारी भर्ती का सरगना हर्षवर्धन भी बर्खास्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने पेपर लीक मामलों में अपनी ज़ीरो टॉलरेंस नीति को प्रभावी ढंग से लागू करना शुरू कर दिया है। पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार किए जा रहे बड़े एक्शनों ने इस बात को साबित कर दिया है कि सरकार इस मामले में कितनी सख्त है। पेपर लीक मामलों में लिप्त राज्य कर्मियों को बर्खास्त करके सरकार ने एक सख्त संदेश दिया है। पटवारी भर्ती मामले में दौसा के सरगना हर्षवर्धन को राज्यसेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

दौसा कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने हर्षवर्धन को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। हर्षवर्धन को जेईएन भर्ती परीक्षा 2020 में एसआईटी ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। इससे पहले, हर्षवर्धन की पत्नी सरिता मीणा को तत्कालीन भीलवाड़ा कलक्टर नमित मेहता ने बर्खास्त किया था। सरिता ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में खुद की जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की थी।एसओजी एटीएस एडीजी वी.के.सिंह की प्रभावी मॉनिटरिंग का भी इन कार्रवाइयों में बड़ा योगदान रहा है।

एडीजी वी.के.सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा में लिप्त 45 सहित कुल 86 राज्यकर्मियों को बर्खास्त/सेवा से पृथक किया जा चुका है। शेष 189 राज्यकर्मियों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि पेपर लीक मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और परीक्षाओं की पवित्रता बनी रहे।

वी. के सिंह ने बताया कि इन कार्रवाइयों से युवाओं में विश्वास का माहौल बनेगा। यह राज्य में निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। यह उन लोगों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करेगा जो पेपर लीक करने की कोशिश कर सकते हैं। यह खबर राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

## लोको पायलट ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

कोटा। भारतीय रेलवे के 35 वर्षीय सहायक लोको पायलट ने कोटा के उज्वल विहार इलाके में स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लोकेश मालव का शव उसके भाई ने बृहस्पतिवार शाम को छत के पंखे से लटका हुआ पाया। सर्किल इंस्पेक्टर देवेश भारद्वाज के अनुसार, उसके भाई ने आरोप लगाया कि मालव ने अपने ससुराल वालों और पत्नी के दबाव में आकर आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि लोकेश मालव की पत्नी अपने चार वर्षीय बेटे के साथ उनसे अलग रह रही थी। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से मालव के अपनी पत्नी के साथ रिश्ते खराब हैं और उन्हें अपने बेटे से मिलने नहीं दिया जा रहा था। पुलिस ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 194 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

## कार रैली

जयपुर में शनिवार को राजस्थान पर्यटन विभाग एवं राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विंटेज और क्लासिक कार रैली का शुभारंभ करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

## प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्म कल्याणक महोत्सव 23 मार्च को

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में मेवाड़ जैन युवा संस्थान द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, युग सृष्ठा ऋषभदेव भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव को प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष 23 मार्च को 'प्रथमेश 2025' वृहद रूप से मनाया जाएगा। संस्थान के संरक्षक पारस सिंघवी ने शनिवार को बताया कि मुख्य कार्यक्रम का आयोजन रविवार को 'ध्वजारोहण' के साथ 'नगर निगम प्रांगण' में प्रारंभ होगा, जिसके पुण्यार्जक पुष्पेन्द्र धन्नावत परिवार होंगे। शोभायात्रा के प्रारंभ में 200 से अधिक वाहनों की रैली रहेगी, जिसके संयोजक मनोज गदिया, रितेश सापड़िया रहेंगे।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष एक अनूठा आयोजन होगा, जिसमें आदिप्रभु का गजरथ, घोड़े, बग़्घियों, बैंड, ढोल सहित शहर के प्रमुख मार्गों से शोभायात्रा सहित आर्यिका संघ सहित श्रावक-श्रविकाओ का समूह प्रभु भक्ति में प्रस्थान करेंगे। ये जुलूस 'टाउन हॉल से प्रारंभ होकर सूरजपोल चौराहा, बापू बाज़ार,दिल्ली गेट, मंडी की नाल, मुखर्जी चौक होते हुए पंचायती नोहरे' में समाप्त होगा।

# एक भारत श्रेष्ठ भारत की हमारी संस्कृति है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजभवन में शनिवार को बिहार, अरुणाचल और मिजोरम का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस दौरान इन राज्यों में निवास करने वाले स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत विविधताओं में एकता की अनूठी संस्कृति वाला राष्ट्र है। देश के विभिन्न राज्य और वहां की संस्कृति जीवन को संपन्न करने की दृष्टि लिए है। उन्होंने बिहार,अरुणाचल और मिजोरम राज्यों के इतिहासऔर इन राज्यों के अस्तित्व में आने की चर्चा करते हुए कहा कि विविधता से जुड़े सभी राज्य अखंड भारत का गौरव है।

उन्होंने कहा कि राजभवन में राज्यों की स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की हमारी जो संकल्पना है, उसे मूर्त रूप दिया जा सके। विभिन्न राज्यों के नागरिकों का स्थापना दिवस पर एक साथ राजभवन में मिलन होने से परस्पर संस्कृतियों का समागम होता है और सद्भाव बढ़ता है। उन्होंने राज्यों के स्थानीय लोगों को राजस्थान के विकास में भी सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

# जवाहर कला केन्द्र में विजयदान देथा साहित्य उत्सव की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थानी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए ङ्कङ्कटिबद्ध राजस्थान सरकार की बजट (202425) घोषणा के आलोक में जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय विजयदान देथा साहित्य उत्सव का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। कला, साहित्य, संस्कृति, पर्यटन एवं पुरातत्व विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उत्सव में पहले दिन के सत्र में विजयदान देथा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला गया, ब्रह्म स्वरूप शब्दों की साधना करने पर जोर दिया गया। शासन सचिव रवि जैन ने राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए साहित्य उत्सव के आयोजन के लिए राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्सव में राजस्थान के प्रसिद्ध लेखों को समर्पित सत्र रखे गए है। जिनमें राजस्थानी के लालित्य से सभी सराबोर होंगे। इस आयोजन से युवा पीढ़ी अपनी मातृभाषा से जुड़ेगी और एक से दूसरी पीढ़ी तक भाषा का प्रसार होगा। उद्घाटन सत्र में विजयदान देथा के जीवन परिचय एवं उनके साहित्यकि योगदान से जुड़ी बातों पर प्रकाश डाला गया।

साधो! सबद साधना कीजे कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. राजेश कुमार व्यास, राजवीर चलकोई व डॉ. गजादान चारण ने राजस्थानी भाषा, साहित्य, संस्कृति व धरोहर के महत्व पर पर विचार व्यक्त किए। डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि विजयदान देथा ने सच्ची शब्द साधना की और लोक कहानियां को पूर्ण किया। राजवीर चलकोई ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रम में राजस्थानी भाषा को शामिल किया जाना चाहिए और व्यावहारिक तरीके से इसे सिखाया जाना चाहिए। गजादान चारण ने कहा कि राजस्थानी भाषा को बचाने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सामाजिक चेतना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने युवाओं को राजस्थानी साहित्य, संस्कृति और इतिहास को पढ़ने पर जोर दिया।

रंगायन सभागार में राजस्थान की अनूठी नाट्य विधा में 'ढाई कड़ी की रामलीला' का मंचन हुआ। विश्वामित्र दाधीच के निर्देशन में हुई इस विशेष प्रस्तुति में 'सीता हरण प्रसंग' को मंचित किया गया। कलाकारों ने अपने संवादों को गाकर दर्शकों तक पहुँचाया, जिसमें महिला और पुरुष पात्रों के संवाद अलग-अलग लय और शैली में प्रस्तुत किए गए।

## हिन्दुस्तान जिंक ने 1,800 करोड़ लीटर पानी का पुनर्चक्रण किया

जयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,800 करोड़ लीटर से अधिक पानी का पुनर्चक्रण किया है, जो राज्य में लगभग एक लाख घरों के सालाना जल उपयोग के बराबर है। कंपनी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

हिंदुस्तान जिंक के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने पानी के उपचार, पुनर्चक्रण और फिर से उपयोग करने पर जोर दिया है, ताकि पानी की निकासी को खत्म करके शुद्ध जल पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सके। कंपनी ने विश्व जल दिवस से पहले राजस्थान के विभिन्न जिलों में परिचालन और सामुदायिक स्तर पर चल रही प्रमुख जल प्रबंधन पहलों का अनावरण किया।

कंपनी आने वाले सप्ताह में दुनिया के सबसे बड़े भूमिगत जिंक खनन केंद्र रामपुरा आगुचा में 4,000 किलोलीटर प्रति दिन (केएलडी) क्षमता वाले शून्य तरल निकासी संयंत्र का उद्घाटन करेगी।

# दौसा में पुजारी ने दूसरे पुजारी की चाकू घोंपकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले के लालसोट थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम की आरती के दौरान एक मंदिर के पुजारी की दूसरे पुजारी ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना प्रभारी श्रीकृष्ण मीणा ने बताया कि मंदिर में वर्चस्व को लेकर दो पुजारियों के बीच झगड़ा हुआ था और शुक्रवार को शाम की आरती के दौरान दोनों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया जिसमें एक पुजारी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो गया लेकिन पुलिस ने उसे मंदिर से 18 किलोमीटर दूर पकड़ लिया।

थाना प्रभारी ने बताया, शुक्रवार शाम पंचमुखी बालाजी मंदिर में आरती हो रही थी। आरोप है कि आरती के दौरान मंदिर के पास रहने वाले पुजारी शिवपाल दास (30) ने परशुराम दास महाराज (60) पर चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि परशुराम दास को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि आरती के दौरान मंदिर में केवल शिवपाल दास और परशुराम दास ही मौजूद थे। मीणा ने कहा, पूछताछ के दौरान आरोपी शिवपाल दास ने पुलिस को बताया कि उसने परशुराम दास से आरती करते समय गर्भगृह के दरवाजे खोलने को कहा था। महाराज ने ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, शिवपाल दास ने बताया कि जब उसने गर्भगृह का दरवाजा खोलने का विरोध किया तो दोनों में विवाद हो गया और उसने परशुराम दास पर चाकू से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

# मेघालय में पारंपरिक चिकित्सक टीबी उन्मूलन में निभा रहे हैं भूमिका

**शिलांग/भाषा।** एक अनूठे प्रयास के तहत पारंपरिक चिकित्सक मेघालय में तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में स्थानीय उपचार और आधुनिक चिकित्सा के बीच एक सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। इस पूर्वोत्तर राज्य में लगभग 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां सड़कों की व्यवस्था खराब है और स्वास्थ्य सुविधाएं भी अपर्याप्त हैं।

ऐसे में ये चिकित्सक लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रथम संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहे हैं। अब वे तपेदिक के लिए प्राथमिक जांच कर्मी के रूप में भी काम करते हैं। मेघालय सरकार ने इस बीमारी की जांच, पहचान और उपचार में तेजी लाने के लिए पारंपरिक चिकित्सकों की मदद ली है। संभवतः यह पहला राज्य बन गया है, जिसने जमीनी स्तर पर तपेदिक उन्मूलन के लिए इस अभिनव दृष्टिकोण को अपनाया है। लोगों के बीच विश्वास अर्जित कर चुके ये चिकित्सक संदिग्ध तपेदिक रोगियों की पहचान करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचें, जहां 'पोर्टेबल एक्स-रे' मशीनों से उनकी टीबी संबंध जांच की जाती है और एनएएटी मशीनों से उनका परीक्षण किया जाता है। तपेदिक संक्रमण के हर मामले पर इन पारंपरिक चिकित्सकों को राज्य सरकार 500 रुपए प्रोत्साहन राशि देती है।

# बिहार में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का अध्याय जल्द शुरू होने वाला है : खरगे

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार दिवस के मौके पर शनिवार को कहा कि प्रदेश में सामाजिक न्याय, समानता एवं समावेशी विकास का अध्याय जल्द शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब बिहार को लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखने के लिए अपनी भूमिका निभानी है। बिहार में इस साल अक्टूबर या नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लोकतंत्र की जन्मस्थली, बिहार ज्ञान की भूमि है। बिहार से ही गांधी जी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारतीयों की आवाज बुलंद की थी। बिहार दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। उन्होंने कहा, बिहार में सामाजिक न्याय, समानता एवं समावेशी विकास का अध्याय जल्द शुरू होने वाला है। अब वह समय आ गया है जब बिहार को लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखने के लिए अपनी भूमिका निभानी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी।

# ओडिशा में प्रतिदिन तीन बाल विवाह, नबरंगपुर जिला सूची में शीर्ष पर

**भुवनेश्वर/भाषा।** प्रशासन द्वारा कई पहल किए जाने के बावजूद ओडिशा में पिछले छह वर्षों के दौरान हर दिन कम से कम तीन बाल विवाह के मामले सामने आए हैं। यह जानकारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार है।

इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ता इस चौंकाने वाले आंकड़े के लिए आदिवासी प्रथा, दहेज, मजदूर परिवारों के पलायन और माता-पिता के इस डर को जिम्मेदार मानते हैं कि बेटियां भाग सकती हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 से फरवरी 2025 तक ओडिशा भर में 8,159 बाल विवाह हुए हैं। उनमें से नबरंगपुर में 1,347 मामले सामने आए हैं, जो उस अवधि के दौरान ओडिशा के सभी 30 जिलों में सबसे अधिक है। गंजाम जिला 966 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि कोरापुट 636 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद मयूरभंज (594), रायगढ़ (408), बालासोर (361), क्योंझर (328), कंधमाल (308) और नयागढ़ (308) का स्थान है। इन छह वर्षों में झारसुगुड़ा जिले में ऐसे सबसे कम 57 मामले पाए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता नम्रता चड्ढा ने कहा, बाल विवाह को रातों-रात पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता। हमें लड़कियों और उनके माता-पिता के लिए ऐसा माहौल और समाज बनाना होगा ताकि वे ऐसे कदम न उठाएं।

# सोनभद्र में कई महिलाओं से शादी कर ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

**सोनभद्र (उप्र)/भाषा।** सोनभद्र जिले की राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ खुद को आबकारी विभाग का कर्मचारी बता तीन महिलाओं से शादी करने और उनमें से एक के नाम पर लाखों रुपए बैंक से कर्ज लेने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया कि संत कबीर नगर की सहायक शिक्षिका किरण द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद राजन गहलोत के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। सिंह ने कहा, तलाकशुदा किरण ने आरोप लगाया कि 2019 में उसकी मुलाकात राजन से हुई। उसने खुद को आबकारी विभाग का कर्मचारी बताया और यह भी बताया कि उसकी पत्नी का देहांत हो चुका है तथा कोई संतान भी नहीं है।

एएसपी ने बताया कि किरण और राजन ने 2022 में वाराणसी के एक मंदिर में शादी की और दो साल तक साथ रहे। इस दौरान राजन ने किरण को कथित तौर पर 42 लाख रुपए का कर्ज लेने के लिए राजी किया और कहा कि उसे घर बनाने के लिए इसकी जरूरत है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कर्ज लेने के कुछ दिनों बाद आरोपी ने बताया कि उसका स्थानांतरण ललितपुर हो गया है। पीड़िता उसे खोजते जब ललितपुर गई तो आबकारी विभाग में जाने पर उसे पता चला कि उस नाम का कोई कर्मचारी नहीं है।

# अगर बांग्लादेश रेडीमेड परिधान निर्यात में आगे निकल सकता है, तो भारत क्यों नहीं : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सवाल उठाया कि इतनी बड़ी आबादी के बावजूद भारत रेडीमेड परिधान निर्यात में बांग्लादेश से पीछे क्यों है। वह यहां पीएम मित्र योजना के तहत कपड़ा पार्क की स्थापना के लिए आयोजित निवेशक सम्मेलन में बोल रहे थे।

आदित्यनाथ ने कहा, अगर 16 करोड़ की आबादी वाला बांग्लादेश रेडीमेड परिधान निर्यात में आगे निकल सकता है, तो 140 करोड़ की आबादी वाला भारत ऐसी ही सफलता क्यों नहीं हासिल कर सकता?'' उन्होंने रेडीमेड परिधान क्षेत्र में संभावनाओं का जिक्र करते हुए भारत के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त कपड़ा ब्रांड बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, रेडीमेड परिधान में अपार संभावनाएं हैं। हमारे पास विश्व बाजार का सर्वेक्षण करके वहां पहुंचने की संभावनाएं हैं।

योगी ने भारत के बड़े कार्यबल को दिशा और अवसर प्रदान करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बड़ी आबादी को काम की जरूरत है, लेकिन उन्हें रास्ता दिखाने वाला कोई होना चाहिए। उन्होंने एक प्रमुख उपभोक्ता बाजार के रूप में उत्तर प्रदेश के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल राज्य के भीतर बल्कि नेपाल, भूटान, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड जैसे पड़ोसी क्षेत्रों की एक बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करता है।

योगी ने बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए पीएम मित्र पार्क के भीतर सिलाई, रंगाई, छपाई, पैकेजिंग और डिजाइनिंग सहित व्यापक सुविधाएं स्थापित करने के महत्व को रेखांकित किया।

# बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 'बिहार दिवस' की लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय परंपराओं और संस्कृति का केंद्र रहे राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बिहार को वीर और महान हस्तियों की पवित्र भूमि बताया। उन्होंने कहा, वीरों और महान विभूतियों की पावन धरती बिहार के अपने सभी भाई-बहनों को बिहार दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने लिखा, भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करने वाला हमारा यह प्रदेश आज अपनी विकास यात्रा के जिस महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, उसमें यहां के परिश्रमी और प्रतिभाशाली बिहारवासियों की अहम भागीदारी है। हमारी संस्कृति और परंपरा के केंद्र-बिंदु रहे अपने इस राज्य के चौतरफा विकास के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्राचीन भारतीय साम्राज्यों और बौद्ध एवं जैन धर्म से जुड़े पवित्रतम स्थानों का गृह होने के कारण बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक है जहां बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक देश के विभिन्न भागों में काम करते हैं। बिहार को 1912 में तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके 22 मार्च को अलग राज्य बनाया गया था।

# रिलायंस जियो त्रिपुरा में आईटी क्षेत्र में निवेश करने को उत्सुक : माणिक साहा

**अगरतला/भाषा।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को कहा कि रिलायंस जियो राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश करने के लिए उत्सुक है। कंपनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और आईटी क्षेत्र में राज्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने फेसबुक पर लिखा कि उन्होंने पहले मुंबई और असम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से मुलाकात की थी और उनसे ''विकसित त्रिपुरा के हमारे नजरिये का समर्थन करने के लिए अनुरोध किया था।

# मुख्यमंत्री के तौर पर कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए अयोग्य हैं नीतीश : दीपांकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने शनिवार को दावा किया कि जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार के ''सार्वजनिक बयान और आचरण'' इस बात को साबित करते हैं वह बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में ''अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की स्थिति में नहीं हैं''।

भाकपा (माले) के महासचिव ने कुमार की स्थिति पर ''चुप्पी'' के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ओडिशा में नवीन पटनायक की ''अनिश्चित स्वास्थ्य स्थितियों'' को ''एक बड़ा मुद्दा'' बना दिया था, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उनके बारे में बयानबाजी की थी। दीपांकर ने कहा, बिहार के स्थापना की 113वीं वर्षगांठ 22 मार्च 2025 को है। बिहार दिवस 2025 से पहले, एक सार्वजनिक समारोह के दौरान मुख्यमंत्री का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उनका आचरण हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा, राष्ट्रगान बज रहा है, जबकि मुख्यमंत्री इस बात से बेपरवाह और बेखबर नजर आ रहे हैं कि क्या हो रहा है। मुख्यमंत्री के सार्वजनिक बयान और आचरण से यह स्पष्ट होता है कि वह अब मुख्यमंत्री के पद के साथ आने वाली जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास अब भी सरकार चलाने के लिए पर्याप्त संख्या बल है, लेकिन स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री आपे में नहीं हैं और उनके सहयोगी, लोगों को अंधेरे में रखना चाहते हैं। हमारे पास सरकार के नाम पर एक अपारदर्शी नौकरशाही व्यवस्था है जो बिहार को दिन-ब-दिन बढ़ती अनिश्चितता की स्थिति में धकेल रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री की स्थिति के बारे में कम से कम बिहार के लोगों को स्पष्टता चाहिए। उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति मुख्यमंत्री और बिहार के लोगों दोनों के लिए स्पष्ट रूप से अनुचित है।

# प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्लु को ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। भारतीय ज्ञानपीठ ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए इस सम्मान के वास्ते चुना गया है।

वह हिंदी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। शुक्ल छत्तीसगढ़ राज्य के ऐसे पहले लेखक हैं, जिन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। शुक्ल ने उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार दिए जाने की घोषणा पर खुशी जताई और कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि यह पुरस्कार मिलेगा। यह पूछे जाने पर कि ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा को वह किस रूप में देखते हैं, तो शुक्ल ने कहा, यह भारत का, साहित्य का एक बहुत बड़ा पुरस्कार है। इतना बड़ा पुरस्कार मिलना यह मेरे लिए खुशी की बात है।

'पीटीआई वीडियो' और 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान शुक्ल ने कहा, मुझे कभी नहीं लगा कि मुझे यह पुरस्कार मिलेगा। पुरस्कार की तरफ मेरा ध्यान जाता ही नहीं। दूसरे मेरा ध्यान दिलाते हैं। दूसरे मुझसे, परिचर्चा में, बातचीत में, कहते थे कि अब आपको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए, मैं उनको संकोच में जवाब दे नहीं पाता। उन्होंने कहा कि वह इस उम्खउ्र में भी लेखन के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, बहुत बड़ा लिखने की अब मेरी हिम्मत नहीं होती है। मुझे लगता है कि जो भी काम करूं इस उम्र में पूरा कर लूं। बच्चों के लिए छोटा-छोटा लिखता हूं और मुझे आसान सा आधार मिल गया है कि मैं इस तरह के छोटे-छोटे काम करता रहूं। बच्चों के लिए लिखना मुझे बड़ा अच्छा लगता है। बयान के मुताबिक, प्रसिद्ध कथाकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में हुई प्रवर परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य के रूप में माधव कौशिक, दामोदर मावजो, प्रभा वर्मा और डॉ. अनामिका, डॉ ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद शामिल थे।

लेखक, कवि और उपन्यासकार शुक्ल (88 वर्ष) की पहली कविता 1971 में 'लगभग जयहिंद' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में 'नौकर की कमीज, दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे' शामिल हैं। शुक्ल के उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर प्रसिद्ध फिल्मकार मणि कौल ने 1999 में इसी नाम से एक फिल्म बनायी थी। उनका लेखन सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और अद्वितीय शैली के लिए जाना जाता है। वह मुख्य रूप से हिंदी साहित्य में अपने प्रयोगधर्मी लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं। शुक्ल को साहित्य अकादमी पुरस्कार और अन्य प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। ज्ञानपीठ पुरस्कार देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है, जिसे भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य रचने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के तहत 11 लाख रुपए की राशि, वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 1961 में स्थापित ज्ञानपीठ पुरस्कार सबसे पहले मलयालम कवि जी. शंकर कुरुप को 1965 में उनके काव्य संग्रह 'ओडक्कुझल' के लिए दिया गया था।

## मुझे कभी नहीं लगा कि ज्ञानपीठ पुरस्कार मुझे मिलेगा : शुक्लु

**रायपुर/भाषा।** हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल ने शनिवार को उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार दिए जाने की घोषणा पर खुशी जताई और कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि यह पुरस्कार मिलेगा।

भारतीय ज्ञानपीठ ने शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की है। यह पूछे जाने पर कि ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलने की घोषणा को वह किस रूप में लेते हैं तो शुक्ल ने कहा, यह भारत का, साहित्य का एक बहुत बड़ा पुरस्कार है। इतना बड़ा पुरस्कार मिलना यह मेरे लिए खुशी की बात है। शुक्ल ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि यह पुरस्कार मिलेगा। पीटीआई वीडियो और 'भाषा' से बातचीत के दौरान शुक्ल ने कहा, मुझे कभी नहीं लगा कि मुझे यह पुरस्कार मिलेगा। पुरस्कार की तरफ मेरा ध्यान जाता ही नहीं। दूसरे मेरा ध्यान दिलाते हैं। दूसरे मुझसे कहते हैं, परिचर्चा में, बातचीत में, कि अब आपको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलना चाहिए, मैं उनको संकोच में जवाब दे नहीं पाता। शुक्ल (88 वर्ष) पिछले कुछ समय से आयु संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं लेकिन वह लगातार लिख रहे हैं। शुक्ल कहते हैं, कुछ ना कुछ लिखने का प्रयास मैं करता हूं और लिख लेता हूं। जब लिखा हुआ छप जाता है तो मैं मुक्त हो जाता हूं, और मुझे ज्यादा लिखने का जैसे कर्ज सा चढ़ जाता है और फिर मैं फिर लिखने के काम में लग जाता हूं।

# केवल जनसंख्या मानदंड के आधार पर परिसीमन अनुचित: नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि संसद में सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए।

पटनायक ने परिसीमन प्रक्रिया प्रारंभ करने से पहले सभी दलों के साथ विस्तृत चर्चा की मांग की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा बुलाई गई परिसीमन पर पहली संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा कि बीजद ओडिशा के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि संसद में सीटों की संख्या तय करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए।

पटनायक ने कहा, मेरा सुझाव है कि केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर सभी दलों से बातचीत करना चाहिए ताकि किसी भी तरह का भ्रम या गलतफहमी न हो, क्योंकि यह मुद्दा देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर गहरा असर डाल सकता है।

बीजू जनता दल ने बैठक में भाग लेने के लिए अपने दो नेताओं को चेन्नई भेजा था, जबकि पटनायक ने इसे डिजिटल तौर पर संबोधित किया।

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री पटनायक ने कहा, यह उन राज्यों में रहने वाले लोगों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक है, जिन्होंने जनसंख्या को नियंत्रित और स्थिर करने में बहुत अच्छा काम किया है।

# सऊदी अरब में टी20 टूर्नामेंट के आयोजन की कोई योजना नहीं: आईपीएल प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष अरुण धूमल ने शनिवार को कहा कि वह विश्व स्तर पर टी20 लीग की बढ़ती संख्या का समर्थन करते हैं लेकिन उन्होंने सऊदी अरब में इस तरह के किसी टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया।

धूमल ने पीटीआई से कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विशेषकर सऊदी अरब, यूरोप और अमेरिका जैसे स्थानों पर टी20 लीग का समर्थन करता है। उनका मानना है कि इससे 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले इस खेल को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। ओलंपिक खेल 2028 के कार्यक्रम में क्रिकेट भी शामिल है। उन्होंने कहा, अटकलों के आधार पर किसी भी चीज़ पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। सभी (सभी हितधारकों) के साथ चर्चा के लिए कोई विषय नहीं है। और जहां तक मेरी जानकारी है, सऊदी अरब में अब तक कोई बुनियादी ढांचा नहीं है जहां इस तरह के बड़े टूर्नामेंट का आयोजन किया जा सके। आईपीएल अध्यक्ष ने कहा, इसलिए, अटकलों पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में पिछले दो वर्ष से सऊदी अरब में क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर खबरें आ रहे हैं लेकिन इनका कोई ठोस आधार नहीं था। धूमल ने इसी संबंध में पूछे गए सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। पिछले साल आईपीएल की मेगा नीलामी हालांकि सऊदी अरब में आयोजित की गई थी। अनुमान है कि आईपीएल का मूल्य 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है और प्रति मैच के मामले में, यह अमेरिका में एनएफएल

के बाद दुनिया की दूसरी सबसे धनाढ्य खेल लीग है। इसे देखते हुए कोई भी अन्य लीग आईपीएल के लिए खतरा नहीं है।

धूमल ने कहा, ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने का मतलब इस खेल का विश्व स्तर पर विस्तार करना है। यह अच्छा है कि अधिक से अधिक लीग सामने आ रही हैं और हम किसी को भी अपने लिए खतरा नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर नए क्षेत्रों में अधिक से अधिक टूर्नामेंट का आयोजन हो फिर चाहे वह सऊदी अरब हो या अमेरिका या फिर यूरोप। यह मायने नहीं रखता। कोई भी किसी को नहीं रोक सकता और हम किसी को रोकना भी नहीं चाहते हैं। हमारा लक्ष्य केवल अपने टूर्नामेंट को लगातार मजबूत करना है।

इस साल के आईपीएल से पहले, इंग्लैंड के स्टार हैरी ब्रूक पर दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपना अनुबंध तोड़ने के लिए दो साल का प्रतिबंध लगाया गया था, जिस पर काफी चर्चा हुई। आईपीएल अध्यक्ष ने इस फैसले का बचाव किया।

धूमल ने कहा, टीमें एक विशेष रणनीति को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों की नीलामी में अपनी टीम तैयार करती हैं। यदि कोई खिलाड़ी बिना किसी वास्तविक कारण के टूर्नामेंट से हट जाता है, तो इससे प्रभावित टीम की रणनीति बदल जाती है और टूर्नामेंट पर भी इसका असर पड़ता है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के बारे में अलग-अलग राय पर धूमल ने कहा, प्रशंसकों और प्रसारकों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली वह बहुत सकारात्मक थी। इसने खेल का स्तर ऊंचा किया है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने इसे 2027 तक बढ़ा दिया।

आईपीएल के लिए अभी दो महीने की विंडो है और आईसीसी के भविष्य के दौरा कार्यक्रम को देखते हुए इसे 2031 तक बढ़ाने की संभावना नहीं है। इस संदर्भ में धूमल ने कहा कि जब भी संभव हो आईपीएल के लिए एक बड़ी विंडो से सभी हितधारकों को फायदा होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुख्य कार्यकारी समिति के सदस्य धूमल ने कहा, जब एक बड़ी विंडो उपलब्ध होगी, तो हम मैचों की संख्या और टूर्नामेंट की अवधि बढ़ाना चाहेंगे।

## सुविचार

**आस्था वो पक्षी है जो भोर के अँधेरे में भी उजाले को महसूस करता है।**

## ट्वीट

भाजपा पार्टी से पहले एक परिवार है। इस परिवार में हमने सीखा है सेवा, संस्कृति और भारत माता का सम्मान। भाजपा परिवार भारत के हर उत्सव में हर भारतीय को खुश और समृद्ध देखना चाहता है। भारत माता की जय।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

विश्व जल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। पानी प्रकृति की अनमोल धरोहर है और इसका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। जल का अत्यधिक दोहन और इसके संरक्षण में लापरवाही भविष्य में गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर सकती हैं।

**-गोविंदसिंह डोटासरा**

## कहानी

**अमरकांत**

# दोपहर का भोजन

सिद्धेश्वरी ने खाना बनाने के बाद चूल्हे को बुझा दिया और दोनों घुटनों के बीच सिर रखकर शायद पैर की उँगलियाँ या ज़मीन पर चलते चीटें-चींटियों को देखने लगी। अचानक उसे मालूम हुआ कि बहुत देर से उसे प्यास लगी हैं। वह मतवाले की तरह उठी और गगरे से लोटा-भर पानी लेकर गट-गट चढ़ा गई। ख़ाली पानी उसके कलेजे में लग गया और वह हाय राम' कहकर वहीं ज़मीन पर लेट गई।

आधे घंटे तक वहीं उसी तरह पड़ी रहने के बाद उसके जी में जी आया। वह बैठ गई, आँखों को मल-मलकर इधर-उधर देखा और फिर उसकी दृष्टि ओसारे में अध-टूटे खटोले पर सोए अपने छह वर्षीय लड़के प्रमोद पर जम गई। लड़का नंग-धड़ंग पड़ा था। उसके गले तथा छाती की हड्डियाँ साफ़ दिखाई देती थीं। उसके हाथ-पैर बासी ककड़ियों की तरह सूखे तथा बेजान पड़े थे और उसका पेट हँडिया की तरह फूला हुआ था। उसका मुख खुला हुआ था और उस पर अनगिनत मक्खियाँ उड़ रही थीं।

वह उठी, बच्चे के मुँह पर अपना एक फटा, गंदा ब्लाउज़ डाल दिया और एक-आध मिनट सुन्न खड़ी रहने के बाद बाहर दरवाज़े पर जाकर किवाड़ की आड़ से गली निहारने लगी। बारह बज चुके थे। धूप अत्यंत तेज़ थी और कभी एक-दो व्यक्ति सिर पर तौलिया या गमछा रखे हुए या मज़बूती से छाता ताने हुए फुर्ती के साथ लपकते हुए सामने से गुज़र जाते।

दस-पंद्रह मिनट तक वह उसी तरह खड़ी रही, फिर उसके चेहरे पर व्यग्रता फैल गई और उसने आसमान तथा कड़ी धूप की ओर चिंता से देखा। एक-दो क्षण बाद उसने सिर को किवाड़ से काफ़ी आगे बढ़ाकर गली के छोर की तरफ़ निहारा, तो उसका बड़ा लड़का रामचंद्र धीरे-धीरे घर की ओर सरकता नज़र आया। उसने फुर्ती से एक लोटा पानी ओसारे की चौकी के पास नीचे रख दिया और चौके में जाकर खाने के स्थान को जल्दी-जल्दी पानी से लीपने-पोतने लगी। वहाँ पीढ़ा रखकर उसने सिर को दरवाज़े की ओर घुमाया ही था कि रामचंद्र ने अंदर क़दम रखा।

रामचंद्र आकर धम से चौकी पर बैठ गया और फिर वहीं बेजान-सा लेट गया। उसका मुँह लाल तथा चढ़ा हुआ था, उसके बाल अस्त-व्यस्त थे और उसके फटे-पुराने जूतों पर गर्द जमी हुई थी।

सिद्धेश्वरी की पहले हिम्मत नहीं हुई कि उसके पास आए और वहीं से वह भयभीत हिरनी की भाँति सिर उचका-घुमाकर बेटे को व्यग्रता से निहारती रही। किंतु, लगभग दस मिनट बीतने के पश्चात भी जब रामचंद्र नहीं उठा, तो वह घबरा गई। पास जाकर पुकारा, बड़कू, बड़कू!' लेकिन उसके कुछ उत्तर न देने पर डर गई और लड़के की नाक के पास हाथ रख दिया। साँस ठीक से चल रही थी। फिर सिर पर हाथ रखकर देखा, बुख़ार नहीं था। हाथ के स्पर्श से रामचंद्र ने आँखें खोलीं। पहले उसने माँ की ओर सुस्त नज़रों से देखा, फिर झट-से उठ बैठा। जूते निकालने और नीचे रखे लोटे के जल से हाथ-पैर धोने के बाद वह यंत्र की तरह चौकी पर आकर बैठ गया।

सिद्धेश्वरी ने डरते-डरते पूछा, 'खाना तैयार है। यहीं लगाऊँ क्या?' रामचंद्र ने उठते हुए प्रश्न किया, 'बाबू जी खा चुके?' सिद्धेश्वरी ने चौके की ओर भागते हुए उत्तर दिया, 'आते ही होंगे।' रामचंद्र पीढ़े पर बैठ गया। उसकी उम्र लगभग इक्कीस वर्ष की थी। लंबा, दुबला-पतला, गोरा रंग, बड़ी-बड़ी आँखें तथा होंठों पर झुर्रियाँ। वह एक स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दफ़्तर में अपनी तबीयत से प्रूफ़-रीडरी का काम सीखता था। पिछले साल ही उसने इंटर पास किया था।

सिद्धेश्वरी ने खाने की थाली सामने लाकर रख दी और पास ही बैठकर पंखा करने लगी। रामचंद्र ने खाने की ओर दार्शनिक की भाँति देखा। कुल दो रोटियाँ, भर-कटोरा पनियाई दाल और चने की तली तरकारी। रामचंद्र ने रोटी के प्रथम टुकड़े को निगलते हुए पूछा, 'मोहन कहाँ है? बड़ी कड़ी धूप हो रही है।' मोहन सिद्धेश्वरी का मँझला लड़का था। उसकी उम्र अट्ठारह वर्ष थी और वह इस साल हाईस्कूल का प्राइवेट इम्तिहान देने की तैयारी कर रहा था। वह न मालूम कब से घर से ग़ायब था और सिद्धेश्वरी को स्वयं पता नहीं था कि वह कहाँ गया है।

किंतु सच बोलने की उसकी तबीयत नहीं हुई और झूठ-मूठ उसने कहा, 'किसी लड़के के यहाँ पढ़ने गया है, आता ही होगा। दिमाग़ उसका बड़ा तेज़ है और उसकी तबीयत चौबीस घंटे पढ़ने में ही लगी रहती है। हमेशा उसी की बात करता रहता है।' रामचंद्र ने कुछ नहीं कहा। एक टुकड़ा मुँह में रखकर भरा गिलास पानी पी गया, फिर खाने लग गया। वह काफ़ी छोटे-छोटे टुकड़े तोड़कर उन्हें धीरे-धीरे चबा रहा था।

सिद्धेश्वरी भय तथा आतंक से अपने बेटे को एकटक निहार रही थी। कुछ क्षण बीतने के बाद डरते-डरते उसने पूछा, 'वहाँ कुछ हुआ क्या?'

रामचंद्र ने अपनी बड़ी-बड़ी भावहीन आँखों से अपनी माँ को देखा, फिर नीचा सिर करके कुछ रुखाई से बोला, 'समय आने पर सब ठीक हो जाएगा।' सिद्धेश्वरी चुप रही। धूप और तेज़ होती जा रही थी। छोटे आँगन के ऊपर आसमान में बादल में एक-दो टुकड़े पाल की नावों की तरह तैर रहे थे। बाहर की गली से गुज़रते हुए एक खड़खड़िया इक्के की आवाज़ आ रही थी। और खटोले पर सोए बालक की साँस का खर-खर शब्द सुनाई दे रहा था। रामचंद्र ने अचानक चुप्पी को भंग करते हुए पूछा, 'प्रमोद खा चुका?'

सिद्धेश्वरी ने प्रमोद की ओर देखते हुए उदास स्वर में उत्तर दिया, 'हाँ, खा चुका।'

'रोया तो नहीं था? सिद्धेश्वरी फिर झूठ बोल गई, 'आज तो सचमुच नहीं रोया। वह बड़ा ही होशियार हो गया है। कहता था, बड़का भैया के यहाँ जाऊँगा। ऐसा लड़का...' पर वह आगे कुछ न बोल सकी, जैसे उसके गले में कुछ अटक गया। कल प्रमोद ने रेवड़ी खाने की ज़िद पकड़ ली थी और उसके लिए डेढ़ घंटे तक रोने के बाद सोया था। रामचंद्र ने कुछ आश्चर्य के साथ अपनी माँ की ओर देखा और फिर सिर नीचा करके कुछ तेज़ी से खाने लगा। थाली में जब रोटी का केवल एक टुकड़ा शेष रह गया, तो सिद्धेश्वरी ने उठने का उपक्रम करते हुए प्रश्न किया, 'एक रोटी और लाती हूँ?'रामचंद्र हाथ से मना करते हुए हड़बड़ाकर बोल पड़ा, 'नहीं-नहीं, ज़रा भी नहीं। मेरा पेट पहले ही भर चुका है। मैं तो यह भी छोड़ने वाला हूँ। बस, अब नहीं।'

सिद्धेश्वरी ने ज़िद की, 'अच्छा आधी ही सही।' रामचंद्र बिगड़ उठा, 'अधिक खिलाकर बीमार कर डालने की तबीयत है क्या? तुम लोग ज़रा भी नहीं सोचती हो। बस, अपनी ज़िद। भूख रहती तो क्या ले नहीं लेता?' सिद्धेश्वरी जहाँ की तहाँ बैठी ही रह गई। रामचंद्र ने थाली में बचे टुकड़े से हाथ खींच लिया और लोटे की ओर देखते हुए कहा, 'माँ, पानी लाओ।' सिद्धेश्वरी लोटा लेकर पानी लेने चली गई। रामचंद्र ने कटोरे को उँगलियों से बजाया, फिर हाथ को थाली में रख दिया। एक-दो क्षण बाद रोटी के टुकड़े को धीरे-से हाथ से उठाकर आँख से निहारा और अंत में इधर-उधर देखने के बाद टुकड़े को मुँह में इस सरलता से रख लिया, जैसे वह भोजन का ग्रास न होकर पान का बीड़ा हो। मँझला लड़का मोहन आते ही हाथ-पैर धोकर पीढ़े पर बैठ गया। वह कुछ साँवला था और उसकी आँखें छोटी थीं। उसके चेहरे पर चेचक के दाग़ थे। वह अपने भाई ही की तरह दुबला-पतला था, किंतु उतना लंबा न था। वह उम्र की अपेक्षा कहीं अधिक गंभीर और उदास दिखाई पड़ रहा था। सिद्धेश्वरी ने उसके सामने थाली रखते हुए प्रश्न किया, 'कहाँ रह गए थे बेटा? भैया पूछ रहा था।'मोहन ने रोटी के एक बड़े ग्रास को निगलने की कोशिश करते हुए अस्वाभाविक मोटे स्वर में जवाब दिया, 'कहीं तो नहीं गया था। यहीं पर था।'

सिद्धेश्वरी वहीं बैठकर पंखा डुलाती हुई इस तरह बोली, जैसे स्वप्न में बड़बड़ा रही हो, 'बड़का तुम्हारी बड़ी तारीफ़ कर रहा था। कह रहा था, मोहन बड़ा दिमाग़ी होगा, उसकी तबीयत चौबीसों घंटे पढ़ने में ही लगी रहती है।' यह कहकर उसने अपने मँझले लड़के की ओर इस तरह देखा, जैसे उसने कोई चोरी की हो।

मोहन अपनी माँ की ओर देखकर फीकी हँसी हँस पड़ा और फिर खाने में जुट गया। वह परोसी गई दो रोटियों में से एक रोटी कटोरे की तीन-चौथाई दाल तथा अधिकांश तरकारी साफ़ कर चुका था।

सिद्धेश्वरी की समझ में नहीं आया कि वह क्या करे। इन दोनों लड़कों से उसे बहुत डर लगता था। अचानक उसकी आँखें भर आईं। वह दूसरी ओर देखने लगी।

थोड़ी देर बाद उसने मोहन की ओर मुँह फेरा, तो लड़का लगभग खाना समाप्त कर चुका था।

सिद्धेश्वरी ने चौंकते हुए पूछा, 'एक रोटी देती हूँ?' मोहन ने रसोई की ओर रहस्यमय नेत्रों से देखा, फिर सुस्त स्वर में बोला, 'नहीं।'

सिद्धेश्वरी ने गिड़गिड़ाते हुए कहा, 'नहीं बेटा, मेरी क़सम, थोड़ी ही ले लो। तुम्हारे भैया ने एक रोटी ली थी।'

मोहन ने अपनी माँ को ग़ौर से देखा, फिर धीरे-धीरे इस तरह उत्तर दिया, जैसे कोई शिक्षक अपने शिष्य को समझाता है, 'नहीं रे, बस। अव्वल तो अब भूख नहीं। फिर रोटियाँ तूने ऐसी बनाई हैं कि खाई नहीं जातीं। न मालूम कैसी लग रही हैं। ख़ैर, अगर तू चाहती ही है, तो कटोरे में थोड़ी दाल दे दे। दाल बड़ी अच्छी बनी है।'

सिद्धेश्वरी से कुछ कहते न बना और उसने कटोरे को दाल से भर दिया।

मोहन कटोरे को मुँह लगाकर सुड़-सुड़ पी रहा था कि मुंशी चंद्रिका प्रसाद जूतों को खस-खस घसीटते हुए आए और राम का नाम लेकर चौकी पर बैठ गए। सिद्धेश्वरी ने माथे पर साड़ी को कुछ नीचे खिसका लिया और मोहन दाल को एक साँस में पीकर तथा पानी के लोटे को हाथ में लेकर तेज़ी से बाहर चला गया।

दो रोटियाँ, कटोरा-भर दाल, चने की तली तरकारी। मुंशी चंद्रिका प्रसाद पीढ़े पर पालथी मारकर बैठे रोटी के एक-एक ग्रास को इस तरह चुभला-चबा रहे थे, जैसे बूढ़ी गाय जुगाली करती है। उनकी उम्र पैंतालीस वर्ष के लगभग थी, किंतु पचास-पचपन के लगते थे। शरीर का चमड़ा झूलने लगा था, गंजी खोपड़ी आईने की भाँति चमक रही थी। गंदी धोती के ऊपर अपेक्षाकृत कुछ साफ़ बनियान तार-तार लटक रही थी।

मुंशी जी ने कटोरे को हाथ में लेकर दाल को थोड़ा सुड़कते हुए पूछा, 'बड़का दिखाई नहीं दे रहा?' सिद्धेश्वरी की समझ में नहीं आ रहा था कि उसके दिल में क्या हो गया है-जैसे कुछ काट रहा हो। पंखे को ज़रा और ज़ोर से घुमाती हुई बोली, 'अभी-अभी खाकर काम पर गया है। कह रहा था, कुछ दिनों में नौकरी लग जाएगी। हमेशा, बाबू जी-बाबू जी किए रहता है। बोला, बाबू जी देवता के समान हैं।' मुंशी जी के चेहरे पर कुछ चमक आई। शरमाते हुए पूछा, 'ऐं, क्या कहता था कि बाबू जी देवता के समान हैं? बड़ा पागल है।' सिद्धेश्वरी पर जैसे नशा चढ़ गया था। उन्माद की रोगिणी की भाँति बड़बड़ाने लगी, 'पागल नहीं है, बड़ा होशियार है। उस ज़माने का कोई महात्मा है। मोहन तो उसकी बड़ी इज़्ज़त करता है। आज कह रहा था कि भैया की शहर में बड़ी इज़्ज़त होती हैं, पढ़ने-लिखने वालों में बड़ा आदर होता है और बड़का तो छोटे भाइयों पर जान देता हैं। दुनिया में वह सब कुछ सह सकता है, पर यह नहीं देख सकता कि उसके प्रमोद को कुछ हो जाए।' मुंशी जी दाल-लगे हाथ को चाट रहे थे। उन्होंने सामने की ताक की ओर देखते हुए हँसकर कहा, 'बड़का का दिमाग़ तो ख़ैर काफ़ी तेज़ है, वैसे लड़कपन में नटखट भी था। हमेशा खेल-कूद में लगा रहता था, लेकिन यह भी बात थी कि जो सबक़ मैं उसे याद करने को देता था, उसे बर्राक़ रखता था। असल तो यह कि तीनों लड़के काफ़ी होशियार हैं। प्रमोद को कम समझती हो?'-यह कहकर वह अचानक ज़ोर से हँस पड़े।

मुंशी जी डेढ़ रोटी खा चुकने के बाद एक ग्रास से युद्ध कर रहे थे। कठिनाई होने पर एक गिलास पानी चढ़ा गए। फिर खर-खर खाँसकर खाने लगे।

फिर चुप्पी छा गई। दूर से किसी आटे की चक्की की पुक-पुक आवाज़ सुनाई दे रही थी और पास की नीम के पेड़ पर बैठा कोई पंडूक लगातार बोल रहा था।

सिद्धेश्वरी की समझ में नहीं आ रहा था कि क्या कहे। वह चाहती थी कि सभी चीज़ें ठीक से पूछ ले। सभी चीज़ें ठीक से जान ले और दुनिया की हर चीज़ पर पहले की तरह धड़ल्ले से बात करे। पर उसकी हिम्मत नहीं होती थी। उसके दिल में जाने कैसा भय समाया हुआ था।

अब मुंशी जी इस तरह चुपचाप दुबके हुए खा रहे थे, जैसे पिछले दो दिनों से मौन-व्रत धारण कर रखा हो और उसको कहीं जाकर आज शाम को तोड़ने वाले हों।

सिद्धेश्वरी से जैसे नहीं रहा गया। बोली, 'मालूम होता है, अब बारिश नहीं होगी।'

मुंशी जी ने एक क्षण के लिए इधर-उधर देखा, फिर निर्विकार स्वर में राय दी, 'मक्खियाँ बहुत हो गई हैं।'

सिद्धेश्वरी ने उत्सुकता प्रकट की, 'फूफा जी बीमार हैं, कोई समाचार नहीं आया।

मुंशी जी ने चने के दानों की ओर इस दिलचस्पी से दृष्टिपात किया, जैसे उनसे बातचीत करने वाले हों। फिर सूचना दी, 'गंगाशरण बाबू की लड़की की शादी तय हो गई। लड़का एम.ए. पास है।'

सिद्धेश्वरी हठात चुप हो गई। मुंशी जी भी आगे कुछ नहीं बोले। उनका खाना समाप्त हो गया था और वे थाली में बचे-खुचे दानों को बंदर की तरह बीन रहे थे। सिद्धेश्वरी ने पूछा, 'बड़का की क़सम, एक रोटी देती हूँ। अभी बहुत-सी हैं।'

मुंशी जी ने पत्नी की ओर अपराधी के समान तथा रसोई की ओर कनखी से देखा, तत्पश्चात किसी घुटे उस्ताद की भाँति बोले, 'रोटी...रहने दो, पेट काफ़ी भर चुका है। अन्न और नमकीन चीज़ों से तबीयत ऊब भी गई है। तुमने व्यर्थ में क़सम धरा दी। ख़ैर, क़सम रखने के लिए ले रहा हूँ। गुड़ होगा क्या?'

सिद्धेश्वरी ने बताया कि हँडिया में थोड़ा-सा गुड़ है। मुंशी जी ने उत्साह के साथ कहा, 'तो थोड़े गुड़ का ठंडा रस बनाओ, पीऊँगा। तुम्हारी क़सम भी रह जाएगी, ज़ायक़ा भी बदल जाएगा, साथ-ही-साथ हाज़मा भी दुरुस्त होगा। हाँ, रोटी खाते-खाते नाक में दम आ गया है।' यह कहकर वे ठहाका मारकर हँस पड़े।

मुंशी जी के निबटने के पश्चात सिद्धेश्वरी उनकी जूठी थाली लेकर चौके की ज़मीन पर बैठ गई। बटलोई की दाल को कटोरे में उँड़ेल दिया, पर वह पूरा भरा नहीं। छिपुली में थोड़ी-सी चने की तरकारी बची थी, उसे पास खींच लिया। रोटियों की थाली को भी उसने पास खींच लिया। उसमें केवल एक रोटी बची थी। मोटी, भद्दी और जली उस रोटी को वह जूठी थाली में रखने जा रही थी कि अचानक उसका ध्यान ओसारे में सोए प्रमोद की ओर आकर्षित हो गया। उसने लड़के को कुछ देर तक एकटक देखा, फिर रोटी को दो बराबर टुकड़ों में विभाजित कर दिया। एक टुकड़े को तो अलग रख दिया और दूसरे टुकड़े को अपनी जूठी थाली में रख लिया। तदुपरांत एक लोटा पानी लेकर खाने बैठ गई। उसने पहला ग्रास मुँह में रखा और तब न मालूम कहाँ से उसकी आँखों से टप-टप आँसू चूने लगे। सारा घर मक्खियों से भन-भन कर रहा था। आँगन की अलगनी पर एक गंदी साड़ी टँगी थी, जिसमें पैबंद लगे हुए थे। दोनों बड़े लड़कों का कहीं पता नहीं था। बाहर की कोठरी में मुंशी जी औंधे मुँह होकर निश्चिंतता के साथ सो रहे थे, जैसे डेढ़ महीने पूर्व मकान किराया नियंत्रण विभाग की क्लर्की से उनकी छँटनी न हुई हो और शाम को उनको काम की तलाश में कहीं जाना न हो!

– वैब 'हिन्दवी' से साभार

## संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

# उड़ गई गौरैया...

तोता उड़, मैना उड़, चिड़िया उड़.., सबको याद तो होगा बचपन का यह खेल। विडंबना देखिए कि खेल में गौरैया उड़ाने वाले मनुष्य ने खेल-खेल में चिड़िया को अनेक स्थानों से हमेशा के लिए उड़ा दिया। आज विश्व गौरैया दिवस है। अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझती गौरैया पर औपचारिकतावश विमर्श नहीं अपितु यथासंभव जानकारी एवं जागृति इस आलेख का ध्येय है।

पर्यावरणविदों के अनुसार भारत में गोरैया की 5 प्रजातियाँ मिलती हैं। एक समय था कि गौरैया हर आँगन, हर पेड़, हर खेत में बसेरा किये मिलती थी। पिछले तीन दशकों में विशेषकर महानगरों में गौरैया की संख्या में 70% से 80% तक कमी आई है। महानगरों में बहुमंज़िला गगनचुंबी इमारतों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इन इमारतों की प्रति स्क्वेयर फीट की ऊँची कीमतों ने औसत 14 सेंटीमीटर की चिड़िया के लिए अपने पंजे टिकाने की जगह भी नहीं छोड़ी।

गौरैया फसलों पर लगने वाले कीड़ों को खाती हैं। अब खेती की ज़मीन बेतहाशा बिक रही है। जहाँ थोड़ी-बहुत बची है, वहाँ फसलों पर कीटनाशकों का छिड़काव हो रहा है। घास का बीज चिड़िया का प्रिय खाद्य रहा है। घास भी हमने कृत्रिम कर डाली। छोटे झाड़ीनुमा पेड़ चिड़िया के बसेरे थे, जो हमने काट दिए। सघन वृक्ष काटकर डेकोरेटिव पेड़ खड़े किए। हमने केवल अपने लिए उपयोगी या अनुपयोगी का विचार किया। हमारी स्वार्थांधता ने प्रकृति के अन्य घटकों को दरकिनार कर दिया।

सुपरमार्केट और मॉल के चलते पंसारी की दुकानों में भारी कमी आई है। खुला अनाज नहीं बिकने के कारण चिड़िया को दाना मिलना दूभर हो गया। चिड़िया जिये तो कैसे जिये? और फिर मोबाइल टॉवर आ गये। इन टॉवरों के चलते दिशा खोजने की गौरैया की प्रणाली प्रभावित होने लगी। साथ ही उनकी प्रजनन क्षमता पर भी घातक प्रभाव पड़ा। अधिक तापमान, प्रदूषण, वृक्षों की कटाई और मोबाइल टॉवर के विकिरण से गौरैया का सर्वनाश हो गया।

कदम-कदम पर दिखनेवाली गौरैया के विलुप्त होने के संकट का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अनेक महानगरों में इनकी संख्या दो अंकों तक सीमित रह गई है।

हमारे पारम्परिक जीवनदर्शन की उपेक्षा ने भी इस संकट को बढ़ाया है। हमारे पूर्वजों की रसोई में गाय, और कुत्ते की रोटी अनिवार्य रूप से बनती थी। हर आँगन में पंछियों के लिए दाना उपलब्ध था। हमने उनका भोजन छीना। हमने कुआँ, तालाब सब पाट कर अपने-अपने घर में नल ले लिये पर चिड़िया और सभी पंछियों के लिए पानी की व्यवस्था करना ज़रूरी नहीं समझा।

घर के घर होने की एक अनिवार्य शर्त है गौरैया का होना। गौरैया का होना अर्थात पंख का होना, परवाज़ का होना। गौरैया का होना जीवन के साज का होना, जीवन की आवाज़ का होना।

पंख, परवाज़, साज, आवाज़ के लिए सबका साथ वांछनीय है। अनुरोध है कि साल भर चिड़ियों के लिए अपनी बालकनी या टेरेस पर दाना-पानी की व्यवस्था करें। अपने परिसर में चिड़ियों के घोंसला बना सकने लायक वातावरण बनाएँ। यदि पौधारोपण संभव है तो भारतीय प्रजाति के पौधे लगाएँ। स्मरण रहे कि गौरैया को उड़ाया हमने है तो उसे लौटा लाने का दायित्व भी हमारा ही है।

## बोध कथा

# सबकी सोच एक जैसी

एक बार राजा अकबर अपने दरबार में किसी खास विषय पर चर्चा कर रहे थे। उस विषय पर उन्होंने राज दरबार में मौजूद सभी लोगों से उनकी राय मांगी। ऐसे में दरबार में उपस्थित सभी मंत्रीगणों ने अपनी-अपनी बुद्धि के हिसाब से जवाब दिया। राजा यह देखकर बहुत हैरान हुए कि सभी का जवाब एक दूसरे से बिल्कुल अलग था। इस पर राजा अकबर ने बीरबल से ऐसा होने के पीछे की वजह पूछी और सवाल किया, 'आखिर सबकी सोच एक जैसी क्यों नहीं होती?' राजा के सवाल पर बीरबल मुस्कुराया और कहा, 'महाराज बेशक लोगों की सोच एक दूसरे से कई मामलों में अलग होती है, मगर कुछ खास विषयों पर सबकी सोच एक जैसी ही होती है।' बीरबल की इस बात के साथ दरबार की कार्यवाही समाप्त होती है और सभी अपना-अपना काम करने के लिए चले जाते हैं। उसी शाम राजा अकबर बीरबल के साथ अपने बाग में टहलने जाते हैं, तब वो दोबारा वही सवाल दोहराते हैं। 'बीरबल मैंने तुमसे पूछा था कि सबकी सोच एक जैसी क्यों नहीं होती? इस सवाल का जवाब दो मुझे।' इसी के साथ एक बार फिर अकबर और बीरबल के बीच इस मुद्दे को लेकर बहस छिड़ जाती है। जब

लाख कोशिशों के बावजूद राजा अकबर को बीरबल की बात नहीं समझ आती, तो वह अपनी बात को समझाने के लिए एक युक्ति निकालता है। बीरबल कहता है, 'महाराज मैं आपको साबित कर दूंगा कि कुछ मामलों में सबकी सोच एक जैसी ही होती है। बस आप एक फरमान जारी कर दीजिए। फरमान यह होगा कि आने वाली अमावस्या की रात को सभी अपने-अपने घर से एक लोटा दूध लाकर आपके बाग में बने सूखे कुएं में डालेंगे और इस फरमान को न मानने वाले को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।' वैसे तो राजा अकबर को बीरबल की यह बात मूर्खता वाली लगती है, लेकिन वह बीरबल के कहे अनुसार शाही फरमान जारी करवा देते हैं। राजा के आदेश से सिपाही पूरे राज्य में घूम-घूम कर इस फरमान के बारे में सभी को बताते है। राजा के इस फरमान को सुनते ही सभी में इस बात को लेकर चर्चा होने लगी कि सूखे कुएं में दूध डालना एक मूर्खता पूर्ण कार्य है। फिर भी राजा का फरमान था, तो मानना सभी को था। सभी अमावस्या की रात का इंतजार करने लगे। देखते-देखते अमावस्या की रात भी आ गई और सभी अपने-अपने घर से एक-एक भरा लोटा लेकर कुएं के पास जमा हो जाते हैं। बारी-बारी सभी कुएं में लोटा पलट कर अपने-अपने घर की ओर चले जाते हैं। यह सारा नजारा राजा अकबर और बीरबल छिप कर देख रहे होते हैं। जब सभी अपना लोटा कुएं में पलट कर चले जाते हैं, तो बीरबल राजा अकबर को कुएं के नजदीक ले जाते हैं और कहते हैं, 'महाराज देखिए क्या आपके फरमान से कुआं दूध से भर गया? बीरबल की बात पर राजा अकबर कुएं में झांक कर देखते हैं कि कुआं ऊपर तक पानी से भरा हुआ है। यह देखकर उन्हें बहुत आश्चर्य होता है और वे नाराज भी होते हैं। राजा अकबर बीरबल से कहते हैं, 'मैंने तो कुएं में दूध डालने का फरमान जारी किया था। फिर कुआं दूध की जगह पानी से क्यों भरा गया?' राजा के इस सवाल पर बीरबल मुस्कुराते हुए कहता है, 'महाराज कुएं में दूध डालना सभी को व्यर्थ लगा, इसलिए सभी ने दूध की जगह कुएं में पानी डाला। उन सभी ने यह भी सोचा कि अमावस्या की रात घना अंधेरा होता है। अब इतने अंधेरे में सभी को सिर्फ लोटा ही दिखेगा, न कि लोटे में दूध है या पानी। बीरबल बोला, 'महाराज इस बात से स्पष्ट होता है कि कुछ मामलों में सभी की सोच एक जैसी होती है।' अब राजा अकबर को बीरबल की बात अच्छे से समझ आ गई थी।

## वीर गाथा

# एयर मार्शल डेन्ज़िल कीलोर: पाकिस्तान के सेबर जेट कर दिए धराशायी, धरी रह गईं दुश्मन की तोपें

एयर मार्शल डेन्ज़िल कीलोर का जन्म 7 दिसंबर, 1933 को लखनऊ में हुआ था। वे वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध के नायक थे। माता इसाबेल ग्रेस कीलोर और पिता चार्ल्स कीलोर के बहादुर बेटे डेन्ज़िल बचपन से ही बहुत साहसी थे। उन्होंने मसूरी और लखनऊ से पढ़ाई की थी।

डेन्ज़िल 6 नवंबर, 1954 को भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। 19 सितंबर, 1965 को स्क्वाड्रन लीडर डेन्ज़िल कीलोर पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान एक स्ट्राइक मिशन में मिस्टेयर विमान को लड़ाकू एस्कॉर्ट प्रदान कर रहे थे। उनके चार नैट विमानों के सेक्शन पर दुश्मन के चार सेबर जेटों ने हमला किया था। वह लड़ाई जमीन से 2000 फीट से भी कम ऊंचाई पर लड़ी गई, जहां दुश्मन की विमानभेदी तोपें सक्रिय थीं। डेन्ज़िल के मार्गदर्शन में उनके सब-सेक्शन लीडर ने दुश्मन के एक सेबर जेट विमान को धराशायी कर दिया। उसके बाद डेन्ज़िल ने खुद एक और सेबर जेट विमान को निशाना बनाकर उसे भारी नुकसान पहुंचाया था।

स्क्वाड्रन लीडर डेन्ज़िल ने पूरे ऑपरेशन के दौरान अपने पायलटों और ग्राउंड कर्मियों को बहुत उत्साहित रखा। इससे वे फतह पर फतह हासिल करते गए। युद्ध में भारत की शानदार जीत हुई, जिसमें डेन्ज़िल और उनके साथियों का महत्त्वपूर्ण योगदान था। इस उपलब्धि के लिए स्क्वाड्रन लीडर डेन्ज़िल को वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

उन्होंने वायुसेना में सेवा के दौरान विभिन्न अवसरों पर वीरता और उच्च स्तरीय रणनीतिक एवं तकनीकी कौशल का परिचय दिया। इसी सिलसिले में, 27 मार्च, 1978 को बतौर ग्रुप कैप्टन डेन्ज़िल बहुत ऊंचाई पर लड़ाकू विमान उड़ा रहे थे। उस समय विमान की कैनोपी उड़ गई। इसके बावजूद डेन्ज़िल ने उसकी सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग करवाई।

डेन्ज़िल ने जिस तरह असाधारण साहस और पेशेवर कौशल दिखाया, वह अनुकरणीय है। उन्हें कीर्ति चक्र से भी सम्मानित किया गया। वे वर्ष 1991 में सेवानिवृत्त हुए। उनका 28 अगस्त, 2024 को निधन हो गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# अलगाववादी शक्तियां अब भी सक्रिय, हेडगेवार का एकता का संदेश अहम : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि कुछ राज्यों में ''अलगाववादी'' ताकतें आज भी सक्रिय हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवसक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केबी हेडगेवार के दिए एकता और एकीकरण के संदेश मौजूदा समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।

भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक सचिन नंदा की पुस्तक 'हेडगेवार : ए डेफिनिटिव बायोग्राफी' के विमोचन के अवसर पर यहां राजभवन में अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस तर्क का खंडन किया कि भारत अतीत में कभी भी एक समरूप देश नहीं था। राधाकृष्णन ने कहा कि सम्राट अशोक ने कई शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप को एकजुट किया था। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से भारत हमेशा एकजुट राष्ट्र रहा है। राधाकृष्णन ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत को विभाजित किया और इस पर शासन करने में कामयाब रहे, इसलिए एकता का संदेश और भी प्रासंगिक है।

राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि आज भी कुछ राज्यों में अलगाववादी ताकतें सक्रिय हैं, ऐसे में आरएसएस संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार द्वारा प्रतिपादित एकता और एकीकरण के विचार आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने अपनी लंबी और शानदार यात्रा में सैकड़ों देशभक्त तैयार किए, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से जीवन जिया और देश के लिए कुर्बान हो गए।

राज्यपाल ने संघ के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और तमिलनाडु, खासकर अपने जन्मस्थान तिरुपुर में संघ के काम पर प्रकाश डाला। लेखक सचिन नंदा ने कहा कि उनकी पुस्तक हेडगेवार की प्रेरणा और दर्शन के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

# आईएमएफ ने पाकिस्तान के अगले बजट में 15,000 अरब रुपए से अधिक के कर लक्ष्य पर जोर दिया

इस्लामाबाद/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के अगले बजट में 15,000 अरब रुपए से अधिक के कर लक्ष्य का प्रस्ताव दिया है। शनिवार को जारी एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

आईएमएफ ने इससे पहले पाकिस्तान की विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) से दो अरब डॉलर की चघी-ग्वादर रेलवे ट्रैक परियोजना सहित अंतरराष्ट्रीय निवेश परियोजनाओं को कर छूट देने से परहेज करने का आग्रह किया था। एआरवाई न्यूज ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए कर छूट से देश के राजस्व सृजन में बाधा पैदा होगी। आईएमएफ और पाकिस्तान अगले बजट को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिसे जल्द ही संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है।

नए बजट में कर-जीडीपी अनुपात को बढ़ाकर 13 प्रतिशत करने और गैर-कर राजस्व के रूप में 2,745 अरब रुपए एकत्र करने की उम्मीद है। सरकार को यह भी उम्मीद है कि निवेश और खपत में वृद्धि के कारण अगले वित्तवर्ष में अर्थव्यवस्था चार प्रतिशत से अधिक बढ़ेगी।

सरकार ने खाड़ी देशों से चाघी-ग्वादर रेलवे ट्रैक परियोजना में निवेश करने का अनुरोध किया था, लेकिन आईएमएफ ने अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए एसआईएफसी को कर छूट देने से इनकार कर दिया है। एसआईएफसी निवेश के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। पाकिस्तान ने वित्तवर्ष 2024-25 के लिए 12.97 हजार अरब रुपए का कर संग्रह लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) को लक्ष्य पूरा करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जुलाई से शुरू होने वाले अगले वित्तवर्ष के लिए कर संग्रह में कोई भी वृद्धि लोगों पर बोझ बढ़ाएगी।

## फिल्म 'केसरी 2' सिनेमाघरों में 18 अप्रैल को प्रदर्शित होगी

मुंबई/भाषा। अभिनेता अक्षय कुमार ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म ''केसरी 2'' सिनेमाघरों में 18 अप्रैल को प्रदर्शित होगी। फिल्म ''केसरी 2'' में अभिनेता आर. माधवन और अभिनेत्री अनन्या पांडे भी नजर आएंगी। यह फिल्म अक्षय कुमार अभिनीत वर्ष 2019 में आई फिल्म 'केसरी' का 'सिक्वल' है।

अक्षय कुमार (57) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म 'केसरी 2' को प्रदर्शित किए जाने की तारीख साझा की और बताया कि फिल्म का 'टीजर' 24 मार्च को जारी किया जाएगा।

# महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम : कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाने वाली हैं, जहां वे उन महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली उनकी एक खास पहल का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने यह पहल साल 2024 में शुरू की थी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करती है। उनका कहना है कि वे हमेशा से अपने माध्यम का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए करना चाहती थीं। कृतिका ने कहा, मेरी मां मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए मेरे लिए इस जगह से गहरा और व्यक्तिगत जुड़ाव है। बचपन में उन्होंने मुझे चंदेरी और उसके खूबसूरत लोगों और कपड़ों की कारीगरी से परिचित कराया।

उन्होंने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तो हमारा बड़ा लक्ष्य और कोशिश थी कि राज्य की महिलाओं, खासकर इस क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार दें, उन्हें सशक्त बनाएं और उनके काम को सामने लाएं। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि रोजगार बढ़ाएं, इन महिलाओं को अपनी पहचान दें और उन्हें उचित कीमतों का अधिकार दिलाएं, ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके। उन्होंने आगे कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपनी आवाज का इस्तेमाल महिलाओं की अगली पीढ़ी को ऊपर उठाने के लिए करना चाहिए। हम आगे बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक महिलाओं के साथ काम करना जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे।

बता दें कि कृतिका उन प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ समय बिताने की योजना बना रही हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। कृतिका अवसर प्रदान करने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के योगदान को पहचानने के महत्व को समझती हैं, खासकर मध्य प्रदेश के चंदेरी में गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखने वाले हथकरघा और कपड़ा उद्योगों में। कृतिका ने कहा, मध्य प्रदेश मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है।

# चुनौतीपूर्ण था 'यारियां' बनाना, दर्शकों का मिला खूब प्यार : दिव्या खोसला

मुंबई/एजेन्सी

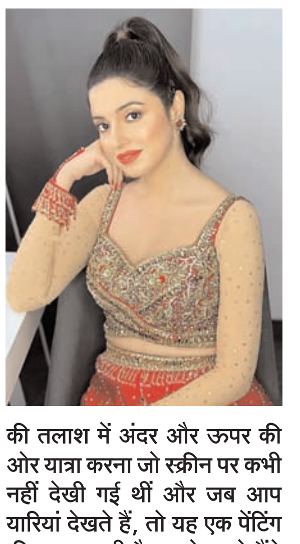

फिल्म निर्माता-अभिनेत्री दिव्या खोसला ने अपनी फिल्म 'यारियां' के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण और शानदार क्षणों को याद किया, जो उनके अनुसार एक पेंटिंग की तरह लगती है। साल 2014 में रिलीज हुई 'यारियां' में हिमांश कोहली, रकुल प्रीत सिंह, निकोल फारिया और एवलिन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में लक्ष्य, जिया, सलोनी, पारडी और नील की कहानी है, जो सिक्किम के एक कॉलेज में पढ़ते हैं और प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपने कैंपस को ध्वस्त करने से रोकने के लिए एक प्रतियोगिता जीतने का प्रयास करते हैं। दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना बेहद मुश्किल है और यारियां निश्चित रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण थी। मैंने ऐसी जगहें खोजने की कोशिश की, जहां पहले कभी शूटिंग नहीं हुई थी इसलिए मैं सिक्किम और दार्जिलिंग गई।

फिल्म निर्माता ने कहा, पहाड़ की चोटियों पर चढ़ना, उन जगहों की तलाश में अंदर और ऊपर की ओर यात्रा करना जो स्क्रीन पर कभी नहीं देखी गई थीं और जब आप यारियां देखते हैं, तो यह एक पेंटिंग की तरह लगती है। हर फ्रेम को मैंने पेंटिंग की तरह दिखने के लिए डिजाइन किया। उन्होंने बताया, फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन उससे परे मैं एक नई मां भी थी- जब मैंने शूटिंग शुरू की तो मेरा बच्चा सिर्फ छह महीने का था।दस साल पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें एहसास होता है कि एक नई मां होने के साथ एक फिल्म का निर्देशन करना कितना मुश्किल था। उन्होंने बताया, वह सबसे मुश्किल हिस्सा था, लेकिन सबसे खास हिस्सा दर्शकों का मिला प्यार था। फिल्म बॉक्स ऑफिस अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर बन गई। 'यारियां' की री-रिलीज पर दिव्या ने कहा, 'यारियां' को पहली बार रिलीज होने पर दर्शकों ने इतना प्यार दिया कि मेरा दिल भर गया। इसे फिर से रिलीज करना दर्शकों को वापस देने का मेरा तरीका है जिन्होंने इसे पूरे दिल से अपनाया। मुझे याद है कि जब मैं अपनी दूसरी फिल्म 'सनम रे' की शूटिंग लद्दाख में कर रही थी तब एक सुनसान जगह पर कुछ पर्यटक आए और उनमें से एक लड़की मेरे पास आई और मुझे बताया कि उसने 'यारियां' 56 बार देखी है।

इस तरह से प्यार पाकर मैं हैरान थी! अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरा दिल वाकई इस सारे प्यार से भर गया है। बेशक, इस फिल्म ने मुझे एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया और इंडस्ट्री में मेरे सफर की शुरुआत की। मैं दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं।

# राज कुंद्रा ने अपनी पंजाबी फिल्म 'मेहर' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

राज कुंद्रा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपने पहले प्रोजेक्ट 'मेहर' के साथ कदम रख रहे हैं। उन्होंने पहले ही मोहाली में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की थी, और अब मात्र तीस दिनों में उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग खत्म करने के बाद राज कुंद्रा ने पूरी कास्ट के साथ जश्न मनाया और इस खास पल को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। राज कुंद्रा ने फिल्म की कास्ट के साथ एक वीडियो साझा किया, जिसमें सभी शूटिंग पूरी होने का जश्न मना रहे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह खत्म हुआ! 'मेहर' पर 30 दिनों की कड़ी मेहनत, जुनून और अविस्मरणीय यादें! पूरी टीम को इस शानदार सफर के लिए बधाई। अब इंतजार नहीं हो रहा कि आप सभी 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में इस जादू को देखें

मशहूर पंजाबी फिल्म निर्माता राकेश मेहता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राज कुंद्रा एक अनोखे किरदार में नजर आएंगे। 'मेहर', जो प्यार, दोस्ती और जिंदगी की कहानी को दर्शाती है, इसमें गीता बसरा, मास्टर अगमवीर सिंह, बनिंदर बन्नी, सविता भट्टी, रुपिंदर रूपी, दीप मंदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म डीबी डिजिटेनमेंट और रघु खन्ना द्वारा प्रस्तुत की गई है, जबकि दिव्या भटनागर और रघु खन्ना इसके निर्माता हैं। फिल्म के सिनेमैटोग्राफर आशुदीप शर्मा हैं। 'मेहर' 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, राज कुंद्रा की झोली में दो और पंजाबी फिल्में भी हैं! हालांकि, इन फिल्मों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन राज कुंद्रा एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले हैं, जिससे सिनेमा प्रेमियों के लिए ढेर सारा मनोरंजन आने वाला है।

# सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ज्यादा मत उड़' में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण 'ज्यादा मत उड़' चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।

शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है। अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है। हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो 'दीया और बाती हम' में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू' में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह 'खेलती है जिंदगी आंख मिचौली' में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं। 'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

# हर तरह की भूमिकाओं में स्वीकार किए जाने को लेकर खुद को भाग्यशली मानती है अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि वह अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानती है कि दर्शक उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में स्वीकार करते हैं। अदा शर्मा को एक शानदार कलाकार के रूप में जाना जाता है जो अपने चरित्र में ढ़ल जाती है। अपनी पहली फिल्म 1920 से लेकर द केरल स्टीरी तक उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। फिल्म तुमको मेरी कसम का प्रीमियर उदयपुर में हुआ था। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्दिया और इंदिरा मुर्दिया के जीवन पर आधारित है। उन्होने भारत में आईवीएफ क्लीनिकों की एक श्रृंखला खोली। प्रीमियर में मौजूद एक करीबी सूत्र का कहना है, अदा अपने द्वारा निभाए गए हर किरदार में ढ़ल जाती है और यह उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन है, विशेष रूप से फिल्म के दूसरे भाग के दृश्य जहां उसका चरित्र एक बीमारी से गुजर रहा है। इश्वाक सिंह के साथ अदा की केमिस्ट्री को भी खूबसूरती से चित्रित किया गया है। हाल ही में अदा और अनुपम खेर ने हवाई अड्डे पर एक रील बनाई।अनुपम खेर अदा के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए दिखाई देते हैं। अदा शर्मा ने कहा,यदि लोगों लगता है कि फिल्म तुमको मेरी कसम में मेरा प्रदर्शन द केरल स्टोरी से भी अधिक भावनात्मक था जो मुझे और भी अधिक खुश करता है। मैं हर प्रदर्शन में अपना सब कुछ देती हूं और मैं 1920 से लेकर कॉमेडी सनफ्लावर सीजन 2 से लेकर कमांडो के लिये बहुत भाग्यशाली हूं कि दर्शक मुझे हर तरह की भूमिकाओं में स्वीकार करते हैं।

# सलमान खान का 'जोहरा जबीं' कुर्ता हुआ आउट ऑफ स्टॉक!

मुंबई/एजेन्सी

फैन्स की भारी डिमांड की वजह से सलमान खान का 'जोहरा जबीं' कुर्ता आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। साजिद नाडियाडवाला निर्मित सलमान खान की मोस्ट अवेटेड एक्शन ड्रामा सिकंदर इस ईद पर ग्रैंड रिलीज हो रही है।सलमान खान का ट्रेंडसेटर वाला स्टेटस किसी से छुपा नहीं है। फिटनेस से लेकर फैशन तक, सलमान ने हमेशा अपने अंदाज से लोगों को इंस्पायर किया है। उनकी ये खूबी है कि वो जो भी पहनते हैं, वो खुद-ब-खुद फैशन बन जाता है। सलमान का ये चार्म और स्टाइल ही है जो उन्हें फैशन वर्ल्ड में सबसे आगे रखता है। हाल ही में फिल्म सिकंदर के ज़ोहरा जबीं म्यूजिक वीडियो में सलमान खान के कुर्ते ने फैशन वर्ल्ड में धूम मचा दी है। यह कुर्ता उनके फैंस और फैशन लवर्स के बीच तुरंत हिट हो गया है। इसकी एलिगेंट लेकिन सिंपल डिज़ाइन ने ट्रेडिशनल और मॉडर्न लुक के बीच परफेक्ट बैलेंस बना दिया है, जिससे ये हर मौके के लिए एकदम फिट बैठता है। सलमान के इस लुक को फैंस ने तुरंत अपनाना शुरू कर दिया है, जिससे इस कुर्ते की पॉपुलैरिटी नए मुकाम पर पहुंच गई है। खासतौर पर इंदौर, सूरत, जयपुर और मुंबई जैसे शहरों में ऐसे ही कुर्तों की डिमांड जबरदस्त तरीके से बढ़ गई है। हर तरफ से ऑर्डर्स की बाढ़ आ रही है, जिससे सलमान का ये स्टाइल नया फैशन ट्रेंड बन चुका है।

जयपुर के एक फैक्ट्री मालिक, आशीष शर्मा ने बताया, सलमान खान ने ज़ोहरा जबीं में जो कुर्ता पहना है, वो इस वक्त जबरदस्त पॉपुलर हो रहा है। हमें ऐसे ही कुर्तों के करीब 20,000 से 25,000 पीस के ऑर्डर मिले हैं, और हम ईद से पहले इन्हें डिलीवर करने के लिए फुल कैपेसिटी में काम कर रहे हैं। अब तक हम करीब 10,000 पीस बेच चुके हैं, जब से ये गाना रिलीज़ हुआ है। ए.आर. मुरुगदॉस के निर्देशन में बनी और साजिद नाडियाडवाला निर्मित सिकंदर में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल और प्रतीक बब्बर जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह फिल्म 30 मार्च को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

# कियारा आडवाणी बनीं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री

मुंबई/एजेन्सी

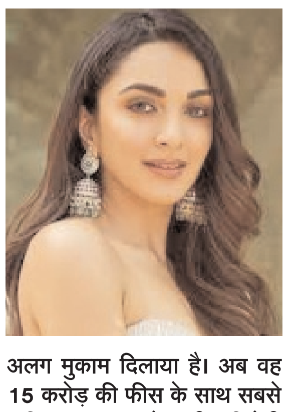

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने खुद को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा मांग वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर लिया है। कियारा अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के साथ, भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें इस फिल्म के लिए 15 करोड़ की फीस मिली है। यह उनकी करियर की एक बड़ी उपलब्धि है, जो न सिर्फ उनकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि उन्हें देश के टॉप-एक्टर्स की एलीट लीग में भी शामिल कर देती है। कियारा की लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता और बढ़ते फैनबेस ने उन्हें इंडस्ट्री में अलग मुकाम दिलाया है। अब वह 15 करोड़ की फीस के साथ सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री बन गई हैं, जिससे वह प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण जैसी सुपरस्टार्स की बराबरी कर रही हैं। यह उपलब्धि कियारा को दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा जैसी बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों की श्रेणी में ला खड़ा करती है, जो अपनी दमदार भूमिकाओं और पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स के लिए जानी जाती हैं।

इस खास क्लब में शामिल होना कियारा की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और उनकी हाई-एंड फीस की मांग को दर्शाता है। जैसे-जैसे फिल्म'टॉक्सिक' अपनी रिलीज़ की ओर बढ़ रही है, सभी की निगाहें कियारा आडवाणी पर टिकी हैं, न सिर्फ उनकी परफॉर्मेंस के लिए बल्कि इंडस्ट्री में उनके नए कीर्तिमान के लिए भी। उनकी यह सफलता नए कलाकारों के लिए प्रेरणा है, यह साबित करते हुए कि टैलेंट और मेहनत की बदौलत कोई भी सीमाएं तोड़ सकता है और नए आयाम स्थापित कर सकता है।

# फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' 16 मई को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद', 16 मई को रिलीज होगी। फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद में पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की मुख्य भूमिका है।यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में पहली बार दर्शकों को पुलकित सम्राट और डेब्यूटेंट इसाबेल कैफ की फ्रेश जोड़ी देखने को मिलेगी। जहां पुलकित सम्राट का चार्म, वहीं इसाबेल कैफ की नई स्क्रीन प्रेजेंस दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है। यह फिल्म हास्य, रोमांस और एक भावनात्मक रूप से जुड़ने वाली कहानी का मिश्रण है, जो हर उम्र के दर्शकों के दिल को छूने का वादा करती है। पुलकित सम्राट ने कहा, मुझे एक अच्छी कहानी और बेहतरीन टीम का हिस्सा बनने की खुशी है। इस फिल्म से जुड़े निर्माताओं का इतना विश्वास देखकर अच्छा लग रहा है कि इतने सारे अड़चनों और डेट बदलावों के बावजूद, हम आखिरकार इसे रिलीज़ करने जा रहे हैं। यह वर्षों की मेहनत और प्यार का नतीजा है, और अब मैं दर्शकों को यह फिल्म दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता। इसाबेल कैफ, जो इस फिल्म में 'नूर' की भूमिका निभा रही हैं, ने साझा किया, इस फिल्म का हिस्सा बनना एक शानदार अनुभव रहा। पुलकित और निर्देशक धीरज के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। हमने शूटिंग के दौरान बहुत अच्छा समय बिताया और मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

निर्देशक धीरज कुमार ने कहा, 'सुस्वागतम खुशामदीद' प्यार और एकता का एक सशक्त संदेश देने वाली फिल्म है। यह फिल्म दर्शकों को यह याद दिलाने का काम करेगी कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती, और मुझे पूरा यकीन है कि यह फिल्म हर दिल को छू जाएगी। फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का निर्माण शरवण कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज, दीपक धर, अज़ान अली, सुनील राव ने किया है, जबकि जावेद देवरियावाले सह-निर्माता हैं। इस फिल्म में साहिल वैद, प्रियंका सिंह, दिवंगत ऋतुराज सिंह, मेघना मलिक, दिवंगत अरुण बाली, नीला मुल्हेरकर, मनु ऋषि चड्ढा, प्रशांत सिंह, राजकुमार कनौजिया, मेहुल सुराना, श्रुति उल्फत और सज्जाद डेलाफरूज़ जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल है। फिल्म का संगीत ज़ी म्यूजिक कंपनी के तहत रिलीज़ होगा। इस फिल्म को रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा इनसाइट इंडिया, एंडेमोल शाइन इंडिया, येलो एंट प्रोडक्शंस, शुर्भी एंटरटेनमेंट, अज़ान एंटरटेनमेंट और यू एंटरटेनमेंट के सहयोग से देशभर में 16 मई 2025 को रिलीज़ किया जाएगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

श्री श्रेयांश पारणा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में आचार्य श्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में वर्ष 2025-26 के लिए एकांतर उपवास वर्षीतप आराधना प्रारंभ करने का प्रत्याख्यान समारोह शनिवार को सुबह भगवान महावीर रोड स्थित गणेश बाग जैन स्थानक में संपन्न हुआ।

# आचार्यश्री पार्श्वचंद्र के सान्निध्य में अनेक आराधकों ने वर्षीतप के प्रत्याख्यान लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री श्रेयांश पारणा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में आचार्य श्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में वर्ष 2025-26 के लिए एकांतर उपवास वर्षीतप आराधना प्रारंभ करने का प्रत्याख्यान समारोह शनिवार को सुबह भगवान महावीर रोड स्थित गणेश बाग जैन स्थानक में संपन्न हुआ। समारोह का आचार्यश्री के मुखारविंद से पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र द्वारा शुभारंभ हुआ।

डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने प्रवचन में प्रेरणा दी कि दान, शील, तप, भावना हम 4 बातों को स्वयं करें, कराये, अनुमोदना करना है जिससे पुण्य बढ़े वो प्रभावना और पाप बढ़े तो आडम्बर है। श्रीकृष्ण वासुदेव ने दीक्षा नहीं ली परंतु दीक्षा लेने वालो को सहयोग दिया तो भविष्य में स्वयं तीर्थंकर बनेंगे। हमारा जिनशासन तप के बल पर टिका हुआ है। आज विश्व में जैन समाज की प्रतिष्ठा है। तीर्थंकर भी केवलज्ञान के बाद भी तपस्या करते हैं। तपस्या का कोई पंथ-मत-मतांतर-सम्प्रदाय नहीं होता है। मात्र निर्जरा का लक्ष्य है। पारणा में साता और अनासक्ति का भाव हो। अपने अंतराय कर्मों को तोड़ने के लिए तप करें, कराएं, अनुमोदन करें।

मुनिश्री जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि आज परम कल्याणकारी आनंदकारी दिवस है। कल्याणक अर्थात आनंद का आना। प्रमोद भाव की अनुभूति का दिवस है। आगम में पूजित वेदों में उल्लेखित भगवान ऋषभदेव का वर्णन है। तीर्थंकर का जन्म तीनों ही लोक के जीवों को साताकारी होता है। जीवन में आनंद उल्लास को लाने वाला होता है। भगवान आदिनाथ एक श्रेष्ठ पुत्र थे तो उत्तम कोटि के पिता भी थे। संयम से पूर्व संतान में सम्यक रूप से विभाजन किया था। हमारे जीवन को सम्यक निर्माण करने वाले उपकारी आचार्य भगवन का पावन सान्निध्य पाया है। भगवान स्वयं गुप्त तपस्वी हैं। प्रबल पुरुषार्थी हैं। हम भगवन की कृपा को पाकर आज तप का शुभारंभ करें।

साध्वीश्री इन्दुप्रभाजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी जीवों के कल्याण स्वरूप आज प्रथम राजा, प्रथम मुनि, प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान के 2 कल्याणक है। जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक है। नाम वृषभ यानि जो कर्म भूमि क्षेत्र में धर्म का बीज बोने वाले अनंत उपकारी हैं। जयगच्छाधिपति आचार्य पार्श्वचन्द्रजी म.सा., डॉ. पदमचन्द्रमुनिजी म.सा. का पावन सानिध्य पाकर आज वर्षीतप का प्रारंभ करेंगे। गुरु भगवन हमारे हृदय की आत्मा की भूमि में तप के बीज बोने पधारे हैं। श्रद्धा, समर्पण भाव से ही ये बीज अंकुरित, पुष्पित और फलित होगा।

समिति के चेयरमैन रमेशचंद्र सियाल ने स्वागत भाषण दिया। जय पार्श्व पद्मोदय जैन महिला फाउंडेशन की सदस्याओं ने गुरु भक्ति गीतिका प्रस्तुत की। वर्षीतप आराधकों द्वारा स्तवन प्रस्तुत किया गया। रेनू कोठारी ने भजन गाया। इस अवसर पर साध्वी शशिप्रभाजी का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। जेके महावीर चंद चौरड़िया ने जानकारी दी कि गत वर्ष से वर्षीतप आराधना करने वाले तपस्वियों के साथ ही नये वर्षीतप प्रारंभ करने वालों को मिलाकर लगभग 180 आराधकों ने वर्ष 2025-26 के लिए वर्षीतप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। मनोहरलाल डूंगरवाल ने सभा का संचालन किया।

# जीव अपनी प्रवृत्ति द्वारा ही पुण्यशाली बनता है : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर तेरापंथ सभा भवन में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने प्रातःकालीन प्रवचन में कहा कि जीव अपनी शुभ प्रवृत्ति द्वारा हल्का (पुण्यशाली) तथा अशुभ प्रवृत्ति द्वारा भारी (पापी) होता है। प्रवृत्ति तीन प्रकार की होती है। मन प्रवृत्ति, वचन प्रवृत्ति, काय प्रवृत्ति।

साध्वीश्री रम्याप्रभाजी के कहा कि कषाय का मतलब चारों तरफ से कर्मो का आगमन होता है। इस अवसर पर तेयुप हनुमंतनगर द्वार रविवार को आयोजित होने वाली वीतराग कार्यशाला के बैनर का अनावरण किया गया। इस मौके पर मूलचंद नाहर, सभा के अध्यक्ष गौतम दक, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, सभा के परामर्शक रोशन मांडोत, प्रकाश देरासरिया, मंत्री हेमराज मांडोत, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक आदि उपस्थित थे।

# कर्मसत्ता से कोई नहीं बच सकता, जो करेंगे, वो ही हम भरेंगे : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित जैन मंदिर में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्षीतप 400 से अधिक दिन तक चलने वाली मंगलकारी तपसाधना है। जो ज्ञान और भावपूर्वक यह साधना करते हैं, उनका जीवन बदल जाता है। पाप-प्रवृत्तियां अत्यंत कम हो जाती हैं और पुण्य-प्रवृत्तियों में मन रम जाता है। यह मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जब तक पाप-अपराध के फल का भय नहीं होता, तब तक मनुष्य का मन निष्पाप और हल्का नहीं बन सकता। प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के 400 उपवास की सुदीर्घ साधना की स्मृति में वर्षीतप किया जाता है। शनिवार को आदिनाथ भगवान के जन्म और दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में समवसरण की स्थापना कर सैकड़ों साधकों ने वर्षीतप का संकल्प लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ ने सभी साधकों को अभिमंत्रित श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में सेलम, चेन्नई, हिरियूर, चलकेरे, टुमकुर, हुब्बल्ली और हैदराबाद से आए तपस्वियों ने नाणविधि कर नए वर्षीतप का शुभारंभ किया। मुम्बई के हेनी शाह ने भक्तिगीतों की मधुर प्रस्तुति दी।बैठक में मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि कर्मवाद का अटल सिद्धांत है कि जैसा हम करेंगे, वैसा हमें भुगतना होगा। व्यक्ति जो बीज बोता है, वही फसल उसे मिलती है। बबूल बोने से कांटे ही प्राप्त होंगे, आम प्राप्त नहीं किए जा सकते। यदि हम आम प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें आम की गुठलियां बोनी होंगी। इसी प्रकार हमारे दुःख हमारे द्वारा ही उपार्जित होते हैं। हम दुःखों से परेशान होते हैं, लेकिन उनके उपार्जन के समय सावधान होने का प्रयत्न नहीं करते। यही हमारे मन की सबसे बड़ी कमजोरी है। दीक्षा लेने के पश्चात आदिनाथ भगवान को 400 दिन तक उचित आहार-पानी नहीं मिला और उन्हें उपवास करने पड़े। जब भगवान को भी भुगतना पड़ता हो तो सामान्य मनुष्य की क्या बिसात ! इसलिए हर प्रवृत्ति को सोच-समझकर करना चाहिए। पाप-अपराधों से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

# सांसद के नेतृत्व में प्रवासियों ने 'दपरे' के वरिष्ठ अधिकारियों से की मुलाकात

## राजस्थान के लिए विभिन्न ट्रेनों की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शनिवार को बेंगलूरु लोकसभा क्षेत्र मध्य के सांसद पी. सी. मोहन के नेतृत्व में राजस्थानी प्रवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पश्चिम रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक कृष्णा चैतन्या से मुलाकात की तथा रेल मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रवासियों ने राजस्थान के लिए नई ट्रेन, विद्यमान ट्रेन नंबर 14805/06 यशवंतपुर बाड़मेर वाया भीलडी जालोर के फेरे के बढ़ाने की मांग को दोहराया गया है। सीनियर डिविजन प्रबंधक ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों से बातचीत करते हुए उनकी मांगों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्होंने सांसद व अन्य सदस्यों को आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही रेल मंत्री को उनकी मांगों से अवगत कराते हुए एक अनुशंसा पत्र भेजेंगे। पी सी मोहन ने भी प्रवासियों को आश्वस्त किया कि वे स्वयं अनुशंसा पत्र लेकर रेलमंत्री से व्यक्तिगत रूप से मिलकर मांगों को पूरा कराने की हर संभव कोशिश करेंगे।

इस प्रतिनिधि मंडल में भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रमेशकुमार पटेल, गांधीनगर भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष शैतानसिंह राजपुरोहित, राजाराम आंजणा पटेल संघ बेंगलूरु के उपाध्यक्ष कलाराम चौधरी, राजपुरोहित संघ के अध्यक्ष भंवरराज राजपुरोहित, राजपूत समाज से रवींद्रसिंह आदि शामिल थे।

# नवरतन बने स्थानकवासी युवा संगठन के अध्यक्ष, राजेन्द्र बने सचिव

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन युवा संगठन की शनिवार को साधारण सभा आयोजित हुई जिसमें वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। नई समिति में नवरतन दरला को अध्यक्ष व राजेन्द्र देसरला को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा किरण सालेचा को उपाध्यक्ष, रिषभ सांखला को सहसचिव व आशीष पटवा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। उपस्थित जनों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

# बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों का हिंदुओं पर अत्याचार चिंता का विषय : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों द्वारा हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ कथित रूप से सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न को लेकर शनिवार को गंभीर चिंता व्यक्त की। आरएसएस के शीर्ष निर्णायक मंडल अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक के दूसरे दिन बांग्लादेश के संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया। आरएसएस ने कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है।

प्रस्ताव में कहा गया है, ''अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के हाथों हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर लगातार और सुनियोजित तरीके से हो रही हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करती है।'' इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में हाल में हुए शासन परिवर्तन के दौरान मठों, मंदिरों, दुर्गापूजा पंडालों और शैक्षणिक संस्थानों पर हमले, देवी-देवताओं की मूर्तियों का अपमान करने, बर्बर हत्याएं, संपत्तियों की लूट, महिलाओं के अपहरण और छेड़छाड़ तथा जबरन धर्मांतरण की कई घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

एबीपीएस ने कहा, इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके धार्मिक पहलू को नकारना सत्य को नकारना जैसा है, क्योंकि ऐसी घटनाओं के पीड़ित लोग बड़ी संख्या में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से ही आते हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों पर अत्याचार कोई नयी बात नहीं है। एबीपीएस ने कहा, ''बांग्लादेश में हिंदू आबादी में लगातार गिरावट (1951 में 22 प्रतिशत से आज 7.95 प्रतिशत तक) उनके लिए अस्तित्व के संकट को दर्शाती है।'' प्रस्ताव में कहा गया है कि पिछले वर्ष हुई हिंसा और घृणा को सरकारी और संस्थागत समर्थन मिलना गंभीर चिंता का विषय है। एबीपीएस ने बांग्लादेश को आगाह किया कि लगातार भारत विरोधी ''बयानबाजी' दोनों देशों के बीच संबंधों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है।

आरएसएस ने कहा, कुछ अंतरराष्ट्रीय ताकतें एक देश को दूसरे के खिलाफ खड़ा करके अविश्वास और टकराव का माहौल बनाकर भारत के आसपास के पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का एक ठोस प्रयास कर रही हैं। एबीपीएस ने विचारकों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विद्वानों से भारत विरोधी माहौल और पाकिस्तान की गतिविधियों पर नजर रखने और इन्हें बेनकाब करने का आह्वान किया। प्रस्ताव में कहा गया है, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि पूरे क्षेत्र की एक साझा संस्कृति, इतिहास और सामाजिक बंधन है, जिसके कारण किसी भी स्थान पर होने वाली उथल-पुथल पूरे क्षेत्र में चिंता का विषय बन जाती है। एबीपीएस का मानना है कि सभी जागरूक लोगों को भारत और पड़ोसी देशों की इस साझा विरासत को मजबूत करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। इसमें कहा गया है कि इस दौरान उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि बांग्लादेश में हिन्दू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, सामूहिक और लोकतांत्रिक तरीके से साहसपूर्वक प्रतिरोध किया है।

# क्या आप परिसीमन को लेकर वास्तव में चिंतित हैं : आरएसएस ने इस मामले पर चर्चा कर रहे दलों से पूछा

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव अरुण कुमार ने परिसीमन प्रक्रिया पर चर्चा कर रहे लोगों से शनिवार को पूछा कि क्या उनका कोई राजनीतिक एजेंडा है या फिर वे वास्तव में इसे लेकर चिंतित हैं। द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के निमंत्रण पर कुछ दक्षिणी राज्यों के नेता परिसीमन के नतीजों और इससे निपटने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए चेन्नई में एकत्र हुए हैं। कुमार ने इन नेताओं से ऐसी चर्चाओं से बचने को कहा क्योंकि केंद्र ने अभी तक प्रक्रिया शुरू नहीं की है। कुमार ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा, ''मेरी राय में, जो लोग परिसीमन पर चर्चा में भाग ले रहे हैं।

# सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में साइबर सुरक्षा जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर पैनल डिस्कशन में सिटीकॉर्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सह-उपाध्यक्ष व साइबर विशेषज्ञ सुष्मिता पाठक ने पावरप्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से रैनसम वेयर अटैक, आईओटी, एआई संचालित साइबर खतरा, डेटा उल्लंघन, क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित ख़तरों के बारे में जानकारी दी। सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के सचिव व साइबर विशेषज्ञ अमितकुमार ने कहा कि साइबर अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं और कई लोग साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने साइबर अपराध से बचकर स्वयं को सुरक्षित रखने के उपाय बताए।

फाउंडेशन के संयुक्त सचिव एवं साइबर विशेषज्ञ राजीव कुमार ने फ़िशिंग हमले, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड धोखाधड़ी के बारे में बताया। धर्मवीरकुमार ने बताया कि इस सत्र में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने बताया कि संस्थान देश के कई शहरों में स्कूल और कॉलेजों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करेगा।

# 'जेबीएन-वी कनेक्ट' महिला व्यवसाय समूह द्वारा कार्यालय दर्शन आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'जीतो जेबीएन-वी कनेक्ट' महिला व्यवसाय समूह ने दूसरा ऑफिस दर्शन कार्यक्रम दीपिका जैन के निवास स्थान पर आयोजित किया। जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, कोषाध्यक्ष एवं जेबीएन संयोजिका तनुजा मेहता, सहमंत्री मीना बडेरा, सदस्य नंदा बाफना, संगीता नागोरी, सारिका जैन एवं अन्य कई सदस्याएं उपस्थित रहीं। बैठक का संचालन रेफरल हेड सीमा शाह, रेफरल लीड मीना जैन और रेफरल सचिव लीला पितलिया के मार्गदर्शन में हुआ।

दीपिका जैन ने अर्हम पुरुषाकार' विषय पर गहन जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि अर्हम पुरुषाकार ज्ञान प्राप्ति, भावनात्मक संतुलन, स्थिरता, मजबूत संबंध और बेहतर योजना बनाने में सहायता करता है। उन्होंने नवकार मंत्र की प्रत्येक पंक्ति और उसके पाँच तत्वों से संबंध पर प्रकाश डाला। इस ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक आयोजन में अतिथियों सहित कुल 35 सदस्याओं ने भाग लिया।

# पैलेस ग्राउंड पर नौ दिवसीय राम कथा का आयोजन 9 जून से

## राम कथा का श्रवण करवाएंगे कथा वाचक श्री रामभद्राचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में बेंगलूरु में पहली बार पद्मविभूषण श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी महाराज के मुखारविंद से श्री राम कथा का आयोजन 9 जून से किया जाने वाला है।

इस नौ दिवसीय कथा में 17 जून तक रोजाना अपराह्न 3 बजे से पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेज श्राइन सभागार में श्री रामभद्राचार्यजी कथा वाचन करेंगे। कथा की तैयारियों को लेकर समिति की हर रविवार को होने वाली

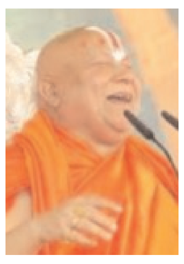

बैठकों के क्रम में इस रविवार को भी अपराह्न 3 बजे से शांतिनगर स्थित लीलामाता मन्दिर भवन में बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कथा संबंधित विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की जाएगी । अधिक जानकारी के लिए मिथिलेश तिवारी से मोबाइल क्रमांक 98861 58807 या अजयप्रकाश पांडेय से मोबाइल क्रमांक 98861 94886 पर सम्पर्क किया जा सकता है ।

# अशोक रांका बने बेंगलूरु जैन मित्र मंडल के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एक होटल में हुई बैठक में समाजसेवी अशोक रांका सर्वसम्मति से बेंगलूरु जैन मित्र मंडल के अध्यक्ष चुने गए हैं । बैठक में मंडल के अध्यक्ष व संस्थापक सदस्य दिवंगत रणजीतमल कानूंगा एवं शांतिलाल लोढ़ा को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में मंडल की ओर से बाबूलाल रांका को जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय जीवन प्रकाश योजना एवं अशोक रांका को राष्ट्रीय वैयावच्च योजना में मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। मंडल के मंत्री अशोक चौरड़िया ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com